हिंदी साहित्य में स्नातक पाठ्यक्रम

2021-22 से प्रभावी

अधिगम परिणाम (CBCS) आधारित पाठ्यक्रम

05/7/2021
संयुक्त कुलसचिव (शैक्षणिक एवं सम्मेलन)
राजीव गांधी विश्वविद्यालय
Jt. Registrar (Acad. & Conf.)
Rajiv Gandhi University
Rono Hills, Doimukh (A.P.)

हिन्दी विभाग

राजीव गाँधी विश्वविद्यालय

रोनो हिल्स, दोइमुख, ईटानर

स्नातक कला पाठ्यक्रम

अधिगम परिणाम (CBCS) आधारित पाठ्यक्रम

हिन्दी (प्रतिष्ठा)

सत्र पद्धति

वर्ष 2021-22 से प्रभावी

05/7/2021
संयुक्त कुलसचिव (शैक्षणिक एवं सम्मेलन)
राजीव गांधी विश्वविद्यालय
Jt. Registrar (Acad. & Conf.)
Rajiv Gandhi University
Rono Hills, Doimukh (A.P.)

Details of Courses under B.A (Honors) Credits

Semester	Core Course 14 papers 6 credit each	Ability Enhancement Compulsory Course (AECC) 2 Paper4 Credit each	Skill Enhancement Course (SEC) 2 Paper 4 credit each	Discipline Specific Elective Course (DSE) 4 Papers 6 Credit Each	Generic Elective 4 papers 6 Credit Each	Semester wise Total Credit
I	C1 C2	AECC-1	***	***	GE1	22 CREDIT
II	C3 C4	AECC- 2	***	***	GE2	22 CREDIT
III	C5 C6 C7	***	SEC- I	***	GE3	28 CREDIT
IV	C8 C9 C10	***	SEC-2	***	GE4	28 CREDIT
V	C11 C12	***	***	DSE-1 DSE-2		24 CREDIT
VI	C13 C14	***	***	DSE-3 DSE-4		24 CREDIT
TOTAL	84 CREDIT	08 CREDIT	08 CREDIT	24 CREDIT	24 CREDIT	148 CREDIT

05/7/2021

संयुक्त कुलसचिव (शैक्षणिक एवं सम्मेलन)
राजीव गांधी विश्वविद्यालय
Jt. Registrar (Acad. & Conf.)
Rajiv Gandhi University
Rono Hills, Doimukh (A.P.)

प्रस्तावना

हिंदी साहित्य के स्नातक प्रतिष्ठा पाठ्यक्रम के निर्माण हेतु गठित स्नातक पाठ्यक्रम निर्माण समिति (BUGS) इस रिपोर्ट को प्रस्तुत करते हुए प्रसन्नता का अनुभव कर रही है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा दिए गए दिशा-निर्देशों के अनुपालन में पाठ्यक्रम निर्माण समिति ने इस पाठ्यक्रम को लागू करते समय इसमें वैश्विक संदर्भों का समायोजन किया है।

इस पाठ्यक्रम की संरचना इस प्रकार की गई है कि इसके अध्ययन के पश्चात हिंदी साहित्य के विद्यार्थी यह जान सकेंगे कि साहित्य का विश्लेषण कैसे किया जाए, उसकी समीक्षा कैसे की जाए और दिए गए पाठ को पढ़ने की समझ किस प्रकार विकसित की जाए ताकि विद्यार्थी साहित्य के उद्देश्य से भली-भाँति परिचित हो सके।

उल्लेखनीय बात यह है कि चयन आधारित क्रेडिट प्रणाली में हिंदी साहित्य के पाठ्यक्रम की बड़ी भूमिका है। इस पाठ्यक्रम निर्माण के दौरान क्षेत्रीय, राष्ट्रीय और वैश्विक संदर्भों के अनुरूप विकल्प रखे गए हैं। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा प्रस्तावित अधिगम परिणाम आधारित पाठ्यक्रम में दिए पाठ के नमूनों को ठीक से समझकर उनके अनुरूप पाठ्यक्रम तैयार किया गया है। इस प्रकार लेखकों का कालखण्ड, विषय-वस्तु और विधागत विभाजन कर पाठ्यक्रम को सर्वसमावेशी बनाया गया है।

भारत विविधताओं वाला देश है और ये विविधताएँ भाषागत भी हैं। यहाँ तक कि मानक हिंदी भाषा के अंतर्गत अनेक बोलियाँ भी सम्मिलित हैं जिनका साहित्य भी हिंदी भाषा को समृद्ध कर रहा है। इन्हीं उद्देश्यों की पूर्ति के लिए इस पाठ्यक्रम की रूपरेखा निर्मित की गई है। इस पाठ्यक्रम में भारतीय साहित्य पेपर के अंतर्गत अन्य भारतीय भाषाओं में रचित साहित्य को भी सम्मिलित किया गया है।

यह पाठ्यक्रम रोजगारपरक शिक्षा देने का कार्य भी करेगा ताकि इसके अध्ययन के बाद विद्यार्थी अपने जीवन का निर्वाह भी भली-भाँति कर सकें। इस अधिगम परिणाम आधारित शिक्षण प्रणाली को नवाचार की दृष्टि से लागू किया जा रहा है। यह समाज के लिए अति लाभकारी सिद्ध होगा।

अतः सभी महाविद्यालयों से यह अपेक्षा की जाती है कि वे इन पाठ्यक्रमों को लागू करने में अपनी रुचि दिखाएँ और प्रोत्साहन दें ताकि अधिगम परिणाम आधारित पाठ्यक्रम संरचना के निर्माण की सार्थकता सिद्ध हो सके।

05/7/2021
संयुक्त कुलसचिव (शैक्षणिक एवं सम्मेलन)
राजीव गांधी विश्वविद्यालय
Jt. Registrar (Acad. & Conf.)
Rajiv Gandhi University
Rono Hills, Doimukh (A.P.)

अधिगम परिणाम आधारित पाठ्यक्रम संरचना

हिंदी साहित्य में स्नातक (प्रतिष्ठा) अध्ययन पाठ्यक्रम का संक्षिप्त परिचय

हिन्दी स्नातक कला 3 (तीन) वर्षों की स्नातक की डिग्री है जिसमे 6 (छह) सत्र शामिल हैं, जिसके प्रत्येक सत्र में प्रतिष्ठा के पत्र होंगे। पाठ्यक्रम में विविध और अंतर्दृष्टि-उन्मुख पत्रों को सम्मिलित किया गया है जिसमें 14 (चौदह) मुख्य पाठ्यक्रम (सी सी) अथवा प्रतिष्ठा के पत्र, 2 (दो) अनिवार्य योग्यता वृद्धि पाठ्यक्रम (ए ई सी सी), 4 (चार) सामान्य वैकल्पिक पाठ्यक्रम (जी ई सी), 2 (दो) कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम (एस ई सी), और अनुशासन/विषय केन्द्रित 4 (चार) (डी एस ई) ऐच्छिक पत्र शामिल हैं। प्रत्येक पत्र को चार इकाइयों (संचार के लिए अंग्रेजी और पर्यावरण अध्ययन को छोड़कर) में विभाजित किया गया है। प्रत्येक पत्र के लिए 100 (सौ) अंक निर्धारित हैं जिसमें आंतरिक मूल्यांकन के लिए 20 (बीस) अंक और सत्रांत परीक्षा के लिए 80 (अस्सी) अंक निर्धारित हैं। प्रति सप्ताह प्रत्येक थ्योरी पेपर के लिए 3 (तीन) व्याख्यान और 1 (एक) ट्यूटोरियल होगा। राजीव गांधी विश्वविद्यालय में क्रमशः अंग्रेजी, हिंदी और भूगोल विभागों द्वारा विकसित पाठ्यक्रम से तीन क्षमता वृद्धि अनिवार्य पाठ्यक्रम (एई सी सी) अर्थात् संचार के लिए अंग्रेजी (ई सी), हिंदी शिक्षण और पर्यावरण अध्ययन (ई वी एस) सम्मिलित हैं।

विश्वविद्यालय के नवीनतम दिशानिर्देशों के अनुसार अधिगम परिणाम (सी बी सी एस) आधारित पाठ्यक्रम अथवा च्वाइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम (सी बी सी एस) और लर्निंग आउटकम बेस्ड करिकुलम फ्रेमवर्क (एल ओ सी एफ) की भावना का पालन करते हुए, हिन्दी स्नातक के इस पाठ्यक्रम में वैश्विक मानकों को ध्यान में रखते हुए मुख्य (कोर), अंतर अनुशासनात्मक विषय और ऐच्छिक पाठ्यक्रम शामिल किए गए हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एन ई पी) 2020 में परिकल्पित अनिवार्य अनुसंधान परियोजना को शामिल करना पाठ्यक्रम का नवीनतम आकर्षण है। मुख्य पाठ्यक्रम से लेकर विषय आधारित ऐच्छिक पाठ्यक्रमों तक पत्रों के क्रम को अच्छी तरह से सोचा गया है ताकि उनमे अंतर्दृष्टि का निर्माण किया जा सके साथ ही जिनसे विद्यार्थियों के व्यक्तिगत और व्यावसायिक विकास को सुनिश्चित किया जा सके। हिन्दी स्नातक के छात्रों को, पंचम तथा षष्ठ सत्रों में विभाग द्वारा संचालित विषय केन्द्रित विशिष्ट ऐच्छिक प्रश्नपत्रों (डी एस ई) के समूह में से अपनी रुचि के अनुसार पत्रों को चयन करना होगा।

स्नातक हिन्दी

कार्यक्रम के उद्देश्य और हिन्दी सीखने के परिणाम

हिन्दी साहित्य के स्नातक प्रतिष्ठा पाठ्यक्रम का निर्माण नयी राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के मूल संकल्पना को ध्यान में रखकर किया गया है। इस नयी शिक्षा पद्धति के नवीन पाठ्यक्रम के द्वारा छात्रों में हिन्दी भाषा और और साहित्य के प्रति अभिरुचि जागृत होगी। इस पाठ्यक्रम में ऐसे कई अंतर अनुशासनात्मक एवं ऐच्छिक विषयों को शामिल किया गया है जिससे छात्रों को रोजगार प्राप्ति के अनेक अवसर सुलभ होंगे । इस पाठ्यक्रम में क्षेत्रीय तथा राष्ट्रीय सन्दर्भों के सम्मिलित होने से देश की एकता और अखंडता बलवती होगी। इससे छात्रों में शिक्षा के साथ राष्ट्रीयता की भावना और प्रखर होगी।

05/7/2021
संयुक्त कुलसचिव (शैक्षणिक एवं सम्मेलन)
राजीव गांधी विश्वविद्यालय
Jt. Registrar (Acad. & Conf.)
Rajiv Gandhi University
Rono Hills, Doimukh (A.P.)

सत्र	कार्यक्रम का उद्देश्य	कार्यक्रम की उपलब्धियाँ
प्रथम सत्र	प्रथम पत्र में हिंदी शिक्षण के अंतर्गत हिंदी के महत्व, व्यावहारिक पक्ष, आलेख रचना, व्यावहारिक लेखन एवं सृजनात्मक लेखन के विविध पक्षों से परिचित हो सकेंगे । वैकल्पिक पत्र में अंग्रेजी के रचनात्मक साहित्य एवं व्याकरण तथा रचना के विविध पक्षों से अवगत हो सकेंगे । द्वितीय पत्र के अंतर्गत साहित्यिक इतिहास एवं प्रतिनिधि कवियों की रचनाओं की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे । तृतीय पत्र में प्रतिनिधि रीतिकालीन कवियों की रचनाओं की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे और चतुर्थ पत्र में सर्जनात्मक लेखन से जुड़े विविध पक्षों से अवगत हो सकेंगे ।	प्रथम सत्र में प्रथम पत्र के अंतर्गत छात्र हिंदी शिक्षण के विविध पक्षों से अवगत हुए । वैकल्पिक पत्र के अंतर्गत छात्र अंग्रेजी के रचनात्मक साहित्य एवं व्याकरण तथा रचना पक्ष से अवगत हुए । द्वितीय पत्र में साहित्यिक इतिहास एवं प्रतिनिधि कवियों की रचनाओं से परिचित हुए । तृतीय पत्र में प्रमुख रीतिकालीन कवियों के बारे में जानकारी प्राप्त की । चतुर्थ पत्र में सृजनात्मक लेखन से जुड़े विविध पहलुओं के विषय में जानकारी प्राप्त की ।
द्वितीय सत्र	इस सत्र के प्रथम पत्र एनवायरनमेण्टल स्टडीज के अंतर्गत पर्यावरण से जुड़े विविध पक्षों का अध्ययन करेंगे । द्वितीय पत्र में हिंदी साहित्य के आधुनिक काल के इतिहास विषयक पक्ष एवं प्रतिनिधि आधुनिक कवियों की रचनाओं से परिचित होंगे । तृतीय पत्र के अंतर्गत छायावादोत्तर काव्य परिदृश्य एवं प्रतिनिधि कवियों की रचनाओं से अवगत होंगे । चतुर्थ पत्र में पटकथा तथा संवाद लेखन के बारे में जानकारी प्राप्त करेंगे ।	छात्रों ने प्रथम पत्र में पर्यावरण अध्ययन पत्र के अंतर्गत पर्यावरण से जुड़ी जानकारी प्राप्त की । द्वितीय पत्र में हिंदी साहित्य के आधुनिक काल एवं प्रतिनिधि आधुनिक कवियों की रचनाओं से परिचित हुए । तृतीय पत्र के द्वारा छायावादोत्तर कविता एवं प्रतिनिधि कवियों के कृतित्व से अवगत हुए । चतुर्थ पत्र को पढ़ कर पटकथा लेखन तथा संवाद लेखनके बारे में यथेष्ट जानकारी प्राप्त की ।
तृतीय सत्र	इसके प्रथम पत्र के अंतर्गत कथा साहित्य के सैद्धान्तिक पक्ष एवं कथा साहित्य की कुछ कृतियों का अनुशीलन करेंगे। द्वितीय पत्र में हिंदी नाट्य साहित्य के सैद्धान्तिक पक्ष से परिचित होंगे तथा कुछ नाटकों की समालोचना करेंगे। तृतीय पत्र में विविध गद्य विधाओं के सैद्धान्तिक पक्ष से परिचित होंगे तथा कुछ रचनाओं की विवेचना करेंगे। चतुर्थ पत्र में लेखन कौशल के सिद्धान्त पक्ष एवं लेखन प्रशिक्षण से जुड़े विविध पहलुओं से परिचित होंगे। पंचम पत्र में साहित्य और सिनेमा के अंत: सम्बन्धों की जानकारी प्राप्त करेंगे।	छात्रों ने प्रथम पत्र में कथा साहित्य के विषय में जानकारी प्राप्त की और प्रमुख रचनाओं का अनुशीलन किया। द्वितीय पत्र में हिंदी नाट्य साहित्य से परिचित हुए और कई नाटकों का अनुशीलन किया। तृतीय पत्र में विविध गद्य विधाओं के बारे में जानकारी प्राप्त की और कई कथेतर गद्य रचनाओं का अनुशीलन किया। चतुर्थ पत्र में छात्र लेखन कौशल के सैद्धांतिक पक्ष से अवगत हुए और लेखन प्रशिक्षण से जुड़े विविध पहलुओं के बारे में जानकारी प्राप्त की। पंचम पत्र में साहित्य और सिनेमा के अंत: सम्बन्धों के बारे में जानकारी प्राप्त की।
चतुर्थ सत्र	इस सत्र में प्रथम पत्र के अंतर्गत हिंदी गद्य साहित्य से अवगत होंगे। विविध विधाओं की विशेष रूप से जानकारी प्राप्त करेंगे । द्वितीय पत्र में हिंदी आलोचना के विकास क्रम एवं प्रमुख आलोचकों के आलोचना सिद्धांतों से अवगत होंगे । तृतीय पत्र में भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा से परिचित हो सकेंगे । चतुर्थ पत्र में कार्यालयी हिंदी के विविध पक्षों से अवगत हो सकेंगे । पंचम पत्र में सोशल मीडिया और हिंदी विषय के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकेंगे ।	छात्र प्रथम पत्र में हिंदी गद्य साहित्य के इतिहास से अवगत हुए और कई गद्य विधाओं के बारे में विशेष रूप से जानकारी प्राप्त की । द्वितीय पत्र में हिंदी आलोचना और प्रमुख आलोचकों के बारे में जानकारी प्राप्त की । तृतीय पत्र में भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा के विषय में जानकारी प्राप्त की । चतुर्थ पत्र में कार्यालयी हिंदी के बारे में ज्ञान प्राप्त किया । पंचम पत्र में सोशल मीडिया और हिंदी विषय के बारे में अवगत हुए ।

05/7/2021
संयुक्त कुलसचिव (शैक्षणिक एवं सम्मेलन)
राजीव गांधी विश्वविद्यालय
Jt. Registrar (Acad & Conf)
Rajiv Gandhi University
Rono Hills, Doimukh (A.P.)

पंचम सत्र	इस सत्र में प्रथम पत्र के अंतर्गत भारतीय काव्यशास्त्र के विविध पक्षों की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। द्वितीय पत्र में पाश्चात्य काव्यशास्त्र के प्रमुख चिंतकों के विचारों से परिचित हो सकेंगे तथा प्रमुख वादों और सिद्धांतों से भी अवगत हो सकेंगे। तृतीय वैकल्पिक पत्र में लोक साहित्य के सैद्धान्तिक पक्ष से परिचित हो सकेंगे। लोक साहित्य की विविध विधाओं और इस प्रदेश के लोक साहित्य की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। वैकल्पिक पत्र, हिंदी संत साहित्य के अंतर्गत प्रतिनिधि संत रचनाओं की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। चतुर्थ वैकल्पिक पत्र में प्रवासी साहित्य के इतिहास और रचनाओं से परिचित हो सकेंगे। वैकल्पिक पत्र छायावाद के अंतर्गत प्रतिनिधि छायावादी कवियों के कृतित्व से अवगत हो सकेंगे।	छात्र प्रथम पत्र में भारतीय काव्यशास्त्र के विविध आयामों से परिचित हुए। द्वितीय पत्र के माध्यम से पाश्चात्य काव्यशास्त्र के प्रमुख साहित्य चिंतकों के विचारों, विविध वादों एवं सिद्धान्तों से परिचित हुए। तृतीय वैकल्पिक पत्र में लोक साहित्य के सैद्धान्तिक पक्ष से अवगत हुए, लोकसाहित्य की विविध विधाओं और इस प्रदेश के लोक साहित्य से परिचित हुए। अन्य वैकल्पिक पत्र में हिंदी के प्रतिनिधि संत कवियों के कृतित्व से परिचित हुए। चतुर्थ वैकल्पिक पत्र में प्रवासी साहित्य की रचनाओं से परिचित हुए।
षष्ठ सत्र	इस सत्र के प्रथम पत्र में मीडिया के विविध आयामों से परिचित होंगे। द्वितीय पत्र में प्रयोजनमूलक हिंदी के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। तृतीय वैकल्पिक पत्र में भारतीय साहित्य के बारे में और भारतीय साहित्य की विविध विधाओं के बारे में अवगत हो सकेंगे। अन्य वैकल्पिक पत्र में प्रेमचन्द की रचनाशीलता एवं विचारों के बारे में जानकारी मिल सकेगी। चतुर्थ वैकल्पिक पत्र में राष्ट्रीय चेतना की कविता के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। अन्य वैकल्पिक पत्र में तुलसीदास की प्रमुख रचनाओं से अवगत हो सकेंगे।	छात्र प्रथम पत्र में मीडिया के विविध आयामों से परिचित हुए। द्वितीय पत्र में प्रयोजनमूलक हिंदी के विषय में जानकारी प्राप्त हुई। तृतीय वैकल्पिक पत्र में भारतीय साहित्य के बारे में और भारतीय साहित्य की विविध विधाओं के बारे में जानकारी मिली। अन्य वैकल्पिक पत्र में प्रेमचन्द के साहित्य एवं वैचारिकी के बारे में अवगत हुए। चतुर्थ वैकल्पिक पत्र में राष्ट्रीय चेतना की कविता के बारे में जानकारी प्राप्त की। अन्य वैकल्पिक पत्र में गोस्वामी तुलसीदास की प्रमुख रचनाओं के बारे में अवगत हुए।

05/7/2021
संयुक्त कुलसचिव (शैक्षणिक एवं सम्मेलन)
राजीव गांधी विश्वविद्यालय
Jt. Registrar (Acad. & Conf.)
Rajiv Gandhi University
Rono Hills, Doimukh (A.P.)

हिन्दी स्नातक
पाठ्यक्रम संरचना

क्रम संख्या	पेपर कोड तथा शीर्षक	अंक	क्रेडिट	L:T:P
Semester I		**400**	**22**	
Ability Enhancement Compulsory Course (AECC)- any one of the following				
1	ENG-A-111: English for Communication (EC)	100	6	3:1:0
	HIN-A-111: हिन्दी शिक्षण	100	6	3:1:0
कोर कोर्स (CC)				
2	HIN-C-112 : हिन्दी साहित्य: आदिकाल से भक्तिकाल (इतिहास एवं रचनाएँ)	100	4	3:1:0
3	HIN-C-113 : हिन्दी साहित्य: रीतिकाल	100	4	3:1:0
General Elective Course (GEC)				
4	HIN -G-114: सृजनात्मक लेखन	100	6	3:1:0
Semester II		**400**	**26**	
Ability Enhancement Compulsory Course (AECC)				
1	GEO -A-121: Environmental Studies (EVS)	100	6	3:1:0
कोर कोर्स (CC)				
2	HIN -C-122: हिन्दी साहित्य: आधुनिक काल	100	4	3:1:0
3	HIN -C-123: हिन्दी साहित्य: प्रगतिवाद से बीसवीं शताब्दी तक	100	6	3:1:0
General Elective Course (GEC)				
4	HIN -G-124: पटकथा तथा संवाद लेखन	100	6	3:1:0
Semester III		**500**	**28**	
कोर कोर्स (CC)				
1	HIN -C-211: कथा साहित्य: कहानी एवं उपन्यास	100	6	3:1:0
2	HIN -C-212: हिन्दी नाट्य साहित्य	100	6	3:1:0
3	HIN -C-213: कथेतर गद्य साहित्य	100	6	3:1:0
Skill Enhancement Course (SEC)				
4	HIN -S-214: लेखन कौशल	100	4	3:1:0
General Elective Course (GEC)				
5	HIN -G-215: साहित्य और सिनेमा	100	6	3:1:0

05/7/2021
संयुक्त कुलसचिव (शैक्षणिक एवं सम्मेलन)
राजीव गांधी विश्वविद्यालय
Jt. Registrar (Acad. & Conf.)
Rajiv Gandhi University
Rono Hills, Doimukh (A.P.)

Semester IV			**500**	**28**	
कोर कोर्स (CC)					
1	HIN -C-221: हिन्दी गद्य साहित्य का इतिहास		100	6	3:1:0
2	HIN -C-222: हिन्दी आलोचना		100	6	3:1:0
3	HIN -C-223: हिन्दी भाषा एवं भाषा विज्ञान		100	6	3:1:0
Skill Enhancement Course (SEC)					
4	HIN -S-224: कार्यालयी हिन्दी		100	4	3:1:0
General Elective Course (GEC)					
5	HIN -G-225: सोशल मीडिया और हिन्दी		100	6	3:1:0
Semester V			**400**	**24**	
कोर कोर्स (CC)					
1	HIN -C-311: भारतीय काव्यशास्त्र		100	6	3:1:0
2	HIN -C-312: पाश्चात काव्यशास्त्र		100	6	3:1:0
Discipline Specific Elective (DSE–1) – Choose one paper from each part					
3	Part-1	HIN -D-313(क): लोक साहित्य	100	6	3:1:0
		HIN -D-313(ख): हिन्दी संत साहित्य	100	6	3:1:0
	Part-2	HIN -D-314(क): प्रवासी साहित्य	100	6	3:1:0
		HIN -D-314(ख): छायावाद	100	6	3:1:0
Semester VI			**400**	**24**	
कोर कोर्स (CC)					
1	HIN -C-321: मीडिया के विविध आयाम		100	6	3:1:0
2	HIN -C-322: प्रयोजनमूलक हिन्दी		100	6	3:1:0
Discipline Specific Elective (DSE–2) Choose one paper from each part					
3	Part-1	HIN -D-323 (क): भारतीय साहित्य	100	6	3:1:0
		HIN -D-323 (ख): प्रेमचन्द	100	6	3:1:0
	Part-2	HIN -D-324 (क): राष्ट्रीय चेतना की कविता	100	6	3:1:0
		HIN -D-324 (ख): तुलसीदास	100	6	3:1:0
	Grand Total		**2600 (Marks)**	**148 (Credits)**	

05/7/2021

संयुक्त कुलसचिव (शैक्षणिक एवं सम्मेलन)
राजीव गांधी विश्वविद्यालय
Jt. Registrar (Acad. & Conf.)
Rajiv Gandhi University
Rono Hills, Doimukh (A.P.)

व्याख्यान	: 4 प्रति सप्ताह
ट्यूटोरियल	: 2 प्रति सप्ताह
क्रेडिट	: 4 +2 = 6
पूर्णांक	: 100 अंक
अभ्यन्तर	: 20 अंक
सत्रांत परीक्षा/बाह्य	: 80 अंक

प्रथम सत्र (प्रतिष्ठा)

पत्र : HIN-C - 112

हिंदी साहित्य : आदिकाल से भक्तिकाल (इतिहास एवं रचनाएँ)

उद्देश्य : यह पत्र प्रथम सत्र (प्रतिष्ठा) के विद्यार्थियों के लिये हिन्दी साहित्य के इतिहास के आदिकाल एवं मध्यकाल के सम्यक् ज्ञान से सम्बन्धित है। इसमें विद्यार्थियों से साहित्येतिहास के आदिकाल की युगीन परिस्थितियों, प्रवृत्तियों एवं प्रमुख कवियों के बारे में जानकारी अपेक्षित है।

इकाई 1 : **आदिकाल:** हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की परम्परा, हिन्दी साहित्य का इतिहास: काल विभाजन, सीमा-निर्धारण और नामकरण, आदिकालीन साहित्य की पृष्ठभूमि एवं परिस्थितियाँ।

भक्तिकाल: भक्तिकाल की पृष्ठभूमि; परिस्थितियाँ; वर्गीकरण तथा सामान्य प्रवृत्तियाँ, निर्गुण एवं सगुण काव्यधाराओं की ज्ञानाश्रयी, प्रेमाश्रयी, कृष्णाश्रयी तथा रामाश्रयी काव्यधाराओं का परिचय तथा विशेषताएँ।

व्याख्यान -12

इकाई 2 : **क. चंदवरदाई :** (पाठ्य पुस्तक: आदिकालीन काव्य – सं. डॉ. वासुदेव सिंह, विश्वविद्यालय प्रकाशन)

अथ पद्मावती समय : प्रारंभ से 10 (दस) पद।

आलोचना: पृथ्वीराज रासो का काव्य-सौन्दर्य, रासो की प्रामाणिकता, अथ पद्मावती समय का काव्य-सौन्दर्य।

ख. अमीर खुसरो : (पाठ्य पुस्तक: अमीर खुसरो: व्यक्तित्व और कृतित्व – परमानन्द पांचाल)

- कव्वाली- घ (1)
- दोहे – च; 5 दोहे :– (1) गोरी लोने (2) खुसरो रैन (3) देख मैं (4) चकवा-चकवी (5) सेज सुनी

आलोचना: अमीर खुसरो का साहित्यिक परिचय, खुसरो की पहेलियों का वैशिष्ट्य, आदिकालीन साहित्य को खुसरो का योगदान।

व्याख्यान -12

इकाई 3 : (पाठ्य पुस्तक: प्राचीन काव्य संग्रह; सम्पा.- राजदेव सिंह; वाणी प्रकाशन, दिल्ली।)

क. कबीर :

पाठांश: प्रारम्भ के पाँच सबद ।

आलोचना : कबीर की भक्ति ; समाज-चेतना।

ख. जायसी :

पाठांश : उपसंहार खण्ड

आलोचना : जायसी का काव्य-वैभव ; सूफी काव्य परम्परा और पद्मावत।

व्याख्यान -12

05/7/2021

संयुक्त कुलसचिव (शैक्षणिक एवं सम्मेलन)
राजीव गांधी विश्वविद्यालय
Jt. Registrar (Acad. & Conf.)
Rajiv Gandhi University
Rono Hills, Doimukh (A.P.)

इकाई 4 :

क. सूरदासः

पाठ्य पुस्तकः प्राचीन काव्य संग्रह; सम्पा.- राजदेव सिंह; वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
पाठांश : विनय के पद - 1, 5 तथा भ्रमरगीत प्रसंग- पद संख्या: 3,4,5,6,7 तथा 8 ।
आलोचना : सूर की भक्ति-भावना ; वात्सल्य ।

ख. तुलसीदास :

पाठ्यपुस्तक : काव्य-वैभव : सं. दूधनाथ सिंह, लोकभारती प्रकाशन
पाठांश : समस्त पद ।

आलोचना : काव्यगत विशेषताएँ, समन्वय- भावना । व्याख्यान -12

उपलब्धियां - इस पत्र के अध्ययनोपरांत छात्र हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की प्रमुख समस्याओं, आदिकालीन एवं भक्तिकालीन साहित्य की जानकारी प्राप्त कर चुके होंगे और चंदबरदाई, अमीर खुसरो, जायसी, सूरदास और तुलसीदास की प्रतिनिधि रचनाओं से परिचित हो चुके होंगे।

निर्देशः

1. इस पत्र की प्रत्येक इकाई से 14 -14 अंकों का एक-एक दीर्घउत्तरीय प्रश्न पूछा जायेगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए विकल्प भी होंगे । 14x4= 56

2. इकाई 2, 3 तथा इकाई 4 से एक-एक व्याख्यांश पूछी जायेगी, जिनके विकल्प भी होंगे । 8 x3 = 24

कार्य-सम्पादन- पद्धति : व्याख्यान, विचार-विमर्श, समूह-चर्चा, सामग्री-समीक्षा और प्रस्तुतीकरण आदि ।

सहायक ग्रन्थः

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास : आ. रामचन्द्र शुक्ल ।
2. हिन्दी साहित्य का इतिहास : सम्पा.- डॉ. नगेन्द्र ।
3. हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास : डॉ. रामकुमार वर्मा ।
4. हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहासः दो खण्ड : डॉ. गणपतिचन्द्र गुप्त ।
5. हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास : डॉ. रामस्वरूप चतुर्वेदी ।
6. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास : डॉ. बच्चन सिंह ।
7. हिन्दी साहित्यः उद्भव और विकास : डॉ. हजारीप्रसाद द्विवेदी ।

05/7/2021

संयुक्त कुलसचिव (शैक्षणिक एवं सम्मेलन)
राजीव गांधी विश्वविद्यालय
Jt. Registrar (Acad. & Conf.)
Rajiv Gandhi University
Rono Hills, Doimukh (A.P.)

प्रथम सत्र (प्रतिष्ठा)

पत्र : HIN-C-113

हिंदी साहित्य : रीतिकाल

व्याख्यान	: 4 प्रति सप्ताह
ट्यूटोरियल	: 2 प्रति सप्ताह
क्रेडिट	: 4 +2 = 6
पूर्णांक	: 100 अंक
अभ्यन्तर	: 20 अंक
सत्रांत परीक्षा/बाह्य	: 80 अंक

उद्देश्य : विद्यार्थियों को भारतवर्ष की 17वीं से 19वीं शताब्दी के मध्य के सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक और आर्थिक परिदृश्य आदि का ज्ञान होगा। विद्यार्थी इस काल के साहित्यकारों एवं उनकी रचनाओं से परिचित हो सकेंगे।

इकाई 1: रीतिकालीन साहित्य की पृष्ठभूमि एवं परिस्थितियां; रीति की अवधारणा और रीति काव्य; रीतिकालीन साहित्य की विभिन्न धाराएं : सामान्य परिचय, रीतिकालीन रचनाएं, रचनाकार एवं प्रमुख प्रवृत्तियाँ, रीतिकालीन काव्य भाषा।

व्याख्यान-12

इकाई 2: (क) केशव:

पाठ्य पुस्तक: कविप्रिया – प्रिया प्रकाशन, ला. भगवानदीन

पाठांश : तीसरा प्रभाव, छंद संख्या 1,2,4 तथा 5।

आलोचना: कविप्रिया का काव्य सौन्दर्य, केशव की अलंकार-योजना।

(ख) मतिराम:

पाठ्य पुस्तक: रीतिकाव्य संग्रह, डॉ. विजयपाल सिंह, लोकभारती प्रकाशन।

पाठांश: प्रारंभ से पाँच पद

आलोचना: रीतिकालीन कवियों में मतिराम का स्थान, मतिराम की काव्य-कला। व्याख्यान- 12

इकाई 3 : (क) सेनापति:

पाठ्य पुस्तक: रीतिकाव्य संग्रह, डॉ. विजयपाल सिंह, लोकभारती प्रकाशन।

पाठांश: पद संख्या :- 1,2,5,9 तथा 10।

आलोचना: शृंगारिकता, काव्यगत विशेषताएँ।

(ख) बिहारी :

पाठ्य पुस्तक : बिहारी रत्नाकर; सम्पादक: जगन्नाथदास रत्नाकर।

पाठ्य दोहे- 1, 2, 5, 6, 7,15,19, 20, 21 तक।

आलोचना: बिहारी की बहुज्ञता, सतसई परम्परा में बिहारी का स्थान। व्याख्यान- 12

इकाई 4 : (क) घनानन्द:

पाठ्य पुस्तक : घनानन्द कवित्त; संपा.- आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र

पाठांश : पद संख्या 1 से 5 तक।

आलोचना : प्रेम वर्णन, भाषा एवं काव्य कला।

05/7/2021

संयुक्त कुलसचिव (शैक्षणिक एवं सम्मेलन)
राजीव गांधी विश्वविद्यालय
Jt. Registrar (Acad. & Conf.)
Rajiv Gandhi University
Rono Hills, Doimukh (A.P.)

(ख) भूषण :

पाठ्य पुस्तक : रीति काव्य धारा; संपा – रामचन्द्र तिवारी

पाठ्य छंद - 9, 10, 11, 12, 15, 24 ।

आलोचना: वीरता की कविता, भाषा एवं काव्य कला । व्याख्यान- 12

उपलब्धियां - इस पत्र के अध्ययनोपरांत छात्र रीतिकालीन हिन्दी साहित्य की जानकारी प्राप्त कर चुके होंगे और केशव, मतिराम, सेनापित, बिहारी, घनानन्द और भूषण जैसे प्रमुख रीतिकालीन कवियों की प्रतिनिधि काव्य रचनाओं का अनुशीलन कर चुके होंगे।

निर्देशः

1. इस पत्र की प्रत्येक इकाई से 14 -14 अंकों का एक-एक दीर्घउत्तरीय प्रश्न पूछा जायेगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए विकल्प भी होंगे । 14x4= 56
2. इकाई 2, 3 तथा इकाई 4 से एक-एक व्याख्यांश पूछी जायेगी, जिनके विकल्प भी होंगे । 8 x3 = 24

कार्य-सम्पादन- पद्धति : व्याख्यान, विचार-विमर्श, समूह-चर्चा, सामग्री-समीक्षा और प्रस्तुतीकरण आदि ।

सहायक ग्रंथ :

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास : आ. रामचन्द्र शुक्ल ।
2. हिन्दी साहित्य का इतिहास : सम्पा.- डॉ. नगेन्द्र ।
3. हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास : डॉ. रामकुमार वर्मा ।
4. रीतिकाव्य की भूमिका : डॉ. नगेन्द्र
5. बिहारी का नया मूल्यांकन : बच्चन सिंह
6. घनानंद और स्वच्छंद काव्यधारा : मनोहर लाल गौड़
7. बिहारी सतसई : जगन्नाथ दास रत्नाकर
8. रीतिकालीन काव्य सिद्धांत : डॉ. सूर्यनारायण द्विवेदी
9. भूषण और उनका साहित्य : राजमल बोरा
10. शिवभूषण तथा प्रकीर्ण रचना : विश्वनाथ प्रसाद मिश्र

05/7/2021

संयुक्त कुलसचिव (शैक्षणिक एवं सम्मेलन)
राजीव गांधी विश्वविद्यालय
Jt. Registrar (Acad. & Conf.)
Rajiv Gandhi University
Rono Hills, Doimukh (A.P.)

द्वितीय सत्र (प्रतिष्ठा)

पत्र : HIN-C- 122

हिंदी साहित्य : आधुनिक काल

व्याख्यान	: 4 प्रति सप्ताह
ट्यूटोरियल	: 2 प्रति सप्ताह
क्रेडिट	: 4 +2 = 6
पूर्णांक	: 100 अंक
अभ्यन्तर	: 20 अंक
सत्रांत परीक्षा/बाह्य	: 80 अंक

उद्देश्य : हिन्दी साहित्य के इतिहास के आधुनिक काल का सम्यक् ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे । इसमें विद्यार्थियों से साहित्येतिहास के आधुनिक काल की युगीन परिस्थितियों, प्रवृत्तियों एवं प्रमुख कवियों तथा गद्य के विधाओं के बारे में जानकारी अपेक्षित है।

इकाईः 1 आधुनिक काल की पृष्ठभूमि: सामाजिक, राजनीतिक एवं सांस्कृतिक परिस्थितियाँ; हिन्दी काव्य को भारतेन्दु युग का अवदान; भारतेन्दुयुगीन कविता विशेषताएँ, द्विवेदीयुगीन कविता की विशेषताएँ, प्रमुख छायावादी कवि और उनका काव्य; छायावादकालीन कविताओं की विशेषताएँ।

व्याख्यान-12

इकाईः 2

(क) भारतेंदु हरिश्चन्द्र :

पाठ्य कविता : प्रेम माधुरी

आलोचना : हिन्दी साहित्य को भारतेंदु का योगदान, प्रेम माधुरी का काव्य सौन्दर्य तथा भारतेंदु की काव्य-कला।

(ख) मैथिलीशरण गुप्त:

पाठांश : हम कौन थे (अंश – भारत-भारती) तथा कैकेयी का अनुताप।

आलोचना : गुप्त जी का काव्य संसार, काव्य दृष्टि एवं राष्ट्रीय आंदोलन की चेतना। व्याख्यान – 12

इकाई: 3

क. जयशंकर प्रसाद :

पाठ्य कविताएं : मेरे नाविक, बीती विभावरी जाग री ।

आलोचना : छायावादी काव्य मूल्य और जयशंकर प्रसाद, प्रसाद के काव्य में राष्ट्रीय एवं सांस्कृतिक चेतना; पठित कविताओं की काव्यगत विशेषताएं ।

ख. सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' :

पाठ्य कविताएं : जूही की कली, जागो फिर एक बार-6 ।

आलोचना : निराला का काव्य-वैशिष्ट्य; निराला के काव्य में छायावादी चेतना, तथा पठित कविताओं का सारांश ।

व्याख्यान – 12

05/7/2021

संयुक्त कुलसचिव (शैक्षणिक एवं सम्मेलन)
राजीव गांधी विश्वविद्यालय
Jt. Registrar (Acad. & Conf.)
Rajiv Gandhi University
Rono Hills, Doimukh (A.P.)

इकाई : 4

क. **सुमित्रानंदन पंत** :

पाठ्य कविताएं : मौन निमंत्रण, नौका विहार।

आलोचना : पन्त–काव्य और छायावाद ; पंत का प्रकृति-चित्रण, पठित कविताओं का प्रतिपाद्य एवं विशेषताएं । व्याख्यान - 12

ख. **महादेवी वर्मा :**

पाठ्य कविताएं –: बीन भी हूँ मैं तुम्हारी रागिनी भी हूँ, मैं नीर भरी दुख की बदली ।

आलोचना : महादेवी का काव्य और करुणा, पीड़ा और वेदना; महादेवी वर्मा की काव्यगत विशेषताएं ।

उपलब्धियां - इस पत्र के अध्ययनोपरांत छात्र भारतेंदुयुगीन हिन्दी कविता, द्विवेदीयुगीन हिन्दी कविता एवं छायावादकालीन हिन्दी कविता की जानकारी प्राप्त कर चुके होंगे और भारतेन्दु हरिश्चन्द्र और मैथिलीशरण गुप्त की प्रतिनिधि रचनाओं का अनुशीलन कर चुके होंगे।

निर्देशः

1. इस पत्र की प्रत्येक इकाई से 14 -14 अंकों का एक-एक दीर्घउत्तरीय प्रश्न पूछा जायेगा। प्रत्येक प्रश्न का विकल्प भी रहेगा। 14x4= 56
2. इकाई 2, 3 तथा इकाई 4 से एक-एक व्याख्यांश पूछी जायेगी, जिनके विकल्प भी होंगे । 8 x3 = 24

कार्य-सम्पादन- पद्धति

व्याख्यान, विचार-विमर्श, समूह-चर्चा, सामग्री-समीक्षा और प्रस्तुतीकरण आदि ।

05/7/2021

संयुक्त कुलसचिव (शैक्षणिक एवं सम्मेलन)
राजीव गांधी विश्वविद्यालय
Jt. Registrar (Acad. & Conf.)
Rajiv Gandhi University
Rono Hills, Doimukh (A.P.)

सहायक ग्रंथ :

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास : आ. रामचन्द्र शुक्ल ।
2. हिन्दी साहित्य का इतिहास : सम्पा.- डॉ. नगेन्द्र ।
3. हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास : डॉ. रामकुमार वर्मा ।
4. भारतेंदु और हिन्दी नवजागरण की समस्याएँ : रामविलास शर्मा ।
5. भारतेंदु और भारतीय नवजागरण : सं. शम्भूनाथ एवं अशोक जोशी ।
6. मैथिलीशरण गुप्त : रेवती रमण ।
7. जयशंकर प्रसाद : नंद दुलारे वाजपेयी
8. निराला की साहित्य साधना (3 भाग) : रामविलास शर्मा
9. सुमित्रानंदन पंत : डॉ. नगेन्द्र
10. महादेवी वर्मा : जगदीश गुप्त
11. महादेवी : दूधनाथ सिंह
12. छायावाद : नामवर सिंह
13. छायावाद और नवजागरण : महेन्द्र नाथ राय

05/7/2021

संयुक्त कुलसचिव (शैक्षणिक एवं सम्मेलन)
राजीव गांधी विश्वविद्यालय
Jt. Registrar (Acad. & Conf.)
Rajiv Gandhi University
Rono Hills, Doimukh (A.P.)

द्वितीय सत्र (प्रतिष्ठा)

पत्र : HIN-C-123

हिंदी साहित्य : प्रगतिवाद से बीसवीं शताब्दी तक

व्याख्यान	: 4 प्रति सप्ताह
ट्यूटोरियल	: 2 प्रति सप्ताह
क्रेडिट	: 4 +2 = 6
पूर्णांक	: 100 अंक
अभ्यन्तर	: 20 अंक
सत्रांत परीक्षा/बाह्य	: 80 अंक

उद्देश्य : यह पत्र द्वितीय सत्र (प्रतिष्ठा) के विद्यार्थियों के लिये है। इसमें छायावादोत्तर कविताएँ अध्ययन हेतु रखी गयी हैं। विद्यार्थी कविताओं के माध्यम से अभिव्यक्त आधुनिक विमर्शों से अवगत होंगे।

पाठ्य पुस्तकः अस्मिता सं. डॉ. जगदीश प्रसाद श्रीवास्तव, डॉ. जितेन्द्रनाथ पाठक, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।

इकाई: 1 छायावादोत्तर काव्यान्दोलन और काव्य : प्रगतिवाद; प्रयोगवाद; नई कविता; अकविता; नवगीत; जनवादी कविता; समकालीन कविता व अन्यकाव्य-परिवर्तन; दलित-चेतना, स्त्री-चेतना और जनजातीय चेतना तथा पर्यावरण चेतना की कविताएं। व्याख्यान-12

इकाई: 2 क. अज्ञेय – कलगी बाजरे की , यह द्वीप अकेला। व्याख्यान-12

ख . मुक्तिबोध – भूल गलती, दिमागी़ गुहान्धकार का ओराँगउटाँग ।

ग. नागार्जुन – अकाल और उसके बाद, कालिदास।

आलोचना: कवियों की काव्यगत विशेषताएँ, पठित कविताओं का सारांश एवं प्रतिपाद्य।

इकाई: 3 क. भवानी प्रसाद मिश्र – फूल कमल के, मंगल वर्षा, कहीं नहीं बचे। व्याख्यान-12

ख. कुंवर नारायण – नचिकेता ।

ग. सर्वेश्वर दयाल सक्सेना – मैंने कब कहाँ, छीनने आए हैं वे, हम ले चलेंगे।

आलोचना: कवियों की काव्यगत विशेषताएँ, पठित कविताओं का सारांश एवं प्रतिपाद्य।

इकाई: 4 क. केदारनाथ सिंह – फर्क नहीं पड़ता, आवाज। व्याख्यान-12

ख. धूमिल – मोचीराम, सुदूर पूर्व में, धूमिल की अन्तिम कविता।

ग. श्रीराम वर्मा – चक्रव्यूह, झील, आकण्ठ कुछ शब्द।

आलोचना: कवियों की काव्यगत विशेषताएँ, पठित कविताओं का सारांश एवं प्रतिपाद्य।

05/7/2021

संयुक्त कुलसचिव (शैक्षणिक एवं सम्मेलन)
राजीव गांधी विश्वविद्यालय
Jt. Registrar (Acad. & Conf.)
Rajiv Gandhi University
Rono Hills, Doimukh (A.P.)

उपलब्धियां - इस पत्र के अध्ययनोपरांत छात्र हिन्दी साहित्य के छायावादोत्तर काव्यांदोलन से अवगत हो चुके होंगे और छायावादोत्तर हिन्दी कविता के प्रतिनिधि कवियों की प्रमुख कविताओं का अनुशीलन कर चुके होंगे।

निर्देशः

1. इस पत्र की प्रत्येक इकाई से 14 -14 अंकों का एक-एक दीर्घउत्तरीय प्रश्न पूछा जायेगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए विकल्प भी होंगे। 14x4= 56

2. इकाई 2, 3 तथा इकाई 4 से एक-एक व्याख्यांश पूछी जायेगी, जिनके विकल्प भी होंगे। 8 x3 = 24

कार्य-सम्पादन- पद्धतिः व्याख्यान, विचार-विमर्श, समूह-चर्चा, सामग्री-समीक्षा और प्रस्तुतीकरण आदि।

सहायक ग्रंथः-

1. मुक्तिबोधः ज्ञान और संवेदना : नन्दकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
2. अज्ञेय की काव्य-तितीर्षा : नन्दकिशोर आचार्य, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
3. अज्ञेय की कविताः मूल्यांकन : चन्द्रकांत बान्दिवडेकर, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
4. मुक्तिबोध की काव्य-प्रक्रिया : अशोक चक्रधर, भारतीय ग्रंथ निकेतन, दिल्ली।
5. कविता के नये प्रतिमान : नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
6. समकालीन हिन्दी कविता : डॉ. विश्वनाथ प्रसाद तिवारी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
7. अज्ञेय और आधुनिक रचना की समस्या : रामस्वरूप चतुर्वेदी
8. सदी के अन्त में कविता : सं. डॉ. विजयकुमार, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
9. समकालीन कविता का यथार्थ : डॉ. परमानन्द श्रीवास्तव, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
10. नयी कविताः स्वरूप और संवेदना : डॉ. जगदीश गुप्त।
11. नयी कविता और अस्तित्ववाद : रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन , दिल्ली।
12. शब्द और मनुष्य : परमानन्द श्रीवास्तव, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
13. कवि कह गया है : अशोक वाजपेयी
14. समकालीन कविता के बारे में : नरेन्द्र मोहन, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
15. रचना और आलोचना : देवीशंकर अवस्थी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
16. रघुवीर सहाय का कवि कर्म : सुरेश शर्मा, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
17. कवियों की पृथ्वी : अरविंद त्रिपाठी, आधार प्रकाशन, पंचकूला
18. समकालीन कविता के आयाम : पी. रवि, लोकभारती, इलाहाबाद
19. काव्यभाषा और नागार्जुन की कविता : कमलेश वर्मा, पेरियार प्रकाशन, पटना

05/7/2021
संयुक्त कुलसचिव (शैक्षणिक एवं सम्मेलन)
राजीव गांधी विश्वविद्यालय
Jt. Registrar (Acad. & Conf.)
Rajiv Gandhi University
Rono Hills, Doimukh (A.P.)

तृतीय सत्र (प्रतिष्ठा)

पत्र : HIN-C-211

कथा साहित्य : कहानी एवं उपन्यास

व्याख्यान	: 4 प्रति सप्ताह
ट्यूटोरियल	: 2 प्रति सप्ताह
क्रेडिट	: 4 +2 = 6
पूर्णांक	: 100 अंक
अभ्यन्तर	: 20 अंक
सत्रांत परीक्षा/बाह्य	: 80 अंक

उद्देश्य : यह प्रश्न पत्र तृतीय सत्र में हिन्दी प्रतिष्ठा के परीक्षार्थियों के लिये है। यह पत्र चार इकाइयों में विभक्त है। इस प्रश्नपत्र में परीक्षार्थियों से गद्य की विभिन्न विधाओं की जानकारी अपेक्षित है। इस पत्र में उपन्यास तथा कहानी, अध्ययन हेतु निर्धारित की गयी हैं।

इकाई: 1 हिंदी गद्य का इतिहास ; कहानी : परिभाषा, स्वरूप एवं तत्व; लोक कथा, कहानी एवं नई कहानी का अन्तर , हिन्दी कहानी का उद्भव और विकास।
उपन्यास : अर्थ एवं स्वरूप; उपन्यास के तत्व; हिन्दी उपन्यास का उद्भव और विकास।

व्याख्यान -12

इकाई : 2 **उपन्यास:**

पचपन खंभे लाल दीवारें : उषा प्रियंवदा

आलोचना : उषा प्रियंवदा की उपन्यास कला, पठित उपन्यास का प्रतिपाद्य, पठित उपन्यास की समीक्षा एवं चरित्र चित्रण। व्याख्यान -12

इकाई: 3 **कहानी:**

पाठ्य कहानियाँ

- उसने कहा था : चन्द्रधर शर्मा गुलेरी
- माँ : प्रेमचंद
- पाजेब : जैनेन्द्र कुमार
- दोपहर का भोजन : अमरकान्त

आलोचना : पठित कहानियों की समीक्षा एवं कहानीकारों की कहानी कला। व्याख्यान -12

इकाई: 4 **कहानी :**

पाठ्य कहानियाँ :

- नीली झील : कमलेश्वर
- परदा : यशपाल
- प्रायाश्चित : भगवती चरण वर्मा
- मैं हार गई : मन्नू भंडारी

05/7/2021

संयुक्त कुलसचिव (शैक्षणिक एवं सम्मेलन)
राजीव गांधी विश्वविद्यालय
Jt. Registrar (Acad & Conf.)
Rajiv Gandhi University
Rono Hills, Doimukh (A.P.)

आलोचना : पठित कहानियों की समीक्षा एवं कहानीकारों की कहानी कला।   व्याख्यान -12

उपलब्धियां - इस पत्र के अध्ययनोपरांत छात्र कहानी एवं उपन्यास के सैद्धांतिक पक्ष से परिचित हो चुके होंगे और हिन्दी उपन्यास एवं हिन्दी कहानी से संबंधित प्रतिनिधि रचनाओं का अनुशीलन कर चुके होंगे।

निर्देशः

1. पाठ्यक्रम की इकाई 2, 3 तथा 4 से एक-एक गद्यांश व्याख्या हेतु दिया जायेगा। प्रत्येक व्याख्यांश के लिये विकल्प भी होंगे।   8X3 = 24

2. सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से चार आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे। चारो प्रश्नों के लिये विकल्प भी रहेंगे।   14X4= 56

कार्य-सम्पादन- पद्धति: व्याख्यान, विचार-विमर्श, समूह-चर्चा, सामग्री-समीक्षा और प्रस्तुतीकरण आदि।

संदर्भ ग्रन्थः

1. प्रेमचन्द और उनका युग : रामविलास शर्मा
2. कहानीः नयी कहानी : डॉ. नामवर सिंह
3. हिन्दी उपन्यास और यथार्थवाद : डॉ. त्रिभुवन सिंह
4. कुछ कहानियां : कुछ विचार : विश्वनाथ त्रिपाठी
5. हिन्दी कहानी का विकास : मधुरेश
6. नाटककार जयशंकर प्रसाद : सत्येन्द्रकुमार तनेजा
7. हिन्दी गद्य साहित्य : रामचन्द्र तिवारी
8. हिन्दी गद्यः विन्यास और विकास : रामस्वरूप चतुर्वेदी
9. उपन्यास का शिल्प : गोपाल राय
10. उपन्यास का यथार्थ और रचनात्मक भाषा : परमानंद श्रीवास्तव

05/7/2021

संयुक्त कुलसचिव (शैक्षणिक एवं सम्मेलन)
राजीव गांधी विश्वविद्यालय
Jt. Registrar (Acad. & Conf.)
Rajiv Gandhi University
Rono Hills, Doimukh (A.P.)

तृतीय सत्र (प्रतिष्ठा)
पत्र: HIN-C-212
हिंदी नाट्य साहित्य

व्याख्यान	: 4 प्रति सप्ताह
ट्यूटोरियल	: 2 प्रति सप्ताह
क्रेडिट	: 4 +2 = 6
पूर्णांक	: 100 अंक
अभ्यन्तर	: 20 अंक
सत्रांत परीक्षा/बाह्य	: 80 अंक

उद्देश्य : यह पत्र तृतीय सत्र हिन्दी (प्रतिष्ठा) के परीक्षार्थियों के लिए है। इस प्रश्नपत्र में परीक्षार्थियों को हिंदी नाटक का इतिहास एवं विकास, लोकरंग परंपराओं का हिंदी रंगमंच पर प्रभाव तथा हिंदी रंगमंच के विभिन्न रूपों से अवगत कराना है।

इकाई : 1 नाटक का सैद्धान्तिक पक्ष : नाटक- उद्भव और विकास, नाटक अर्थ, स्वरूप एवं तत्व; नाटक एवं एकांकी में अन्तर; एकांकी –उद्भव और विकास, एकांकी के तत्व। व्याख्यान -12

इकाई: 2 नाटक : (क)

- अंधेर नगरी : भारतेन्दु हरिश्चन्द्र
- ध्रुवस्वामिनी : जयशंकर प्रसाद

आलोचना: नाटककारों की नाट्य-कला, पठित नाटकों की समीक्षा, प्रतिपाद्य। व्याख्यान -12

इकाई: 3 नाटक : (ख)

- बकरी : मोहन राकेश
- कबीरा खड़ा बाज़ार में : भीष्म साहनी

आलोचना: नाटककारों की नाट्य-कला, पठित नाटकों की समीक्षा, प्रतिपाद्य। व्याख्यान -12

इकाई: 4 एकांकी :

- पारिजात हरण : शंकरदेव
- दीपदान : रामकुमार वर्मा

आलोचना: एकांकीकारों की एकांकी-कला, पठित एकांकीयों की समीक्षा, प्रतिपाद्य।

व्याख्यान -12

उपलब्धियां - इस पत्र के अध्ययनोपरांत छात्र नाटक एवं एकांकी के सैद्धांतिक पक्ष से परिचित हो चुके होंगे और हिन्दी नाटक, एकांकी से संबंधित प्रतिनिधि रचनाओं का अनुशीलन कर चुके होंगे।

05/7/2021
संयुक्त कुलसचिव (शैक्षणिक एवं सम्मेलन)
राजीव गांधी विश्वविद्यालय
Jt. Registrar (Acad. & Conf.)
Rajiv Gandhi University
Rono Hills, Doimukh (A.P.)

निर्देश:

1. इस पत्र की इकाई 2, 3 तथा 4 से एक-एक गद्यांश व्याख्या हेतु दिया जायेगा। प्रत्येक व्याख्यांश के लिये विकल्प भी होंगे। 8X3 = 24
2. प्रत्येक इकाई से चार आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे। चारो प्रश्नों के लिये विकल्प भी रहेंगे। 14X4= 56

कार्य-सम्पादन- पद्धति

व्याख्यान, विचार-विमर्श, समूह-चर्चा, सामग्री-समीक्षा और प्रस्तुतीकरण आदि।

ग्रन्थ सूची:

1. हिंदी नाटक उद्भव और विकास : डॉ.दशरथ ओझा, राजपाल एण्ड सन्स, दिल्ली
2. रंग दर्शन : नेमिचंद्र जैन
3. हिंदी नाटक : बच्चन सिंह, लोकभारती प्रकाशन,नई दिल्ली
4. हिंदी गद्य का साहित्य : रामचंद्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
5. संक्षिप्त नाट्यशास्त्रम् : राधावल्लभ त्रिपाठी
6. हिंदी का गद्यपर्व : नामवर सिंह, राजकमल
7. रंगमंच : नया परिदृश्य : रीतारानी पालीवाल
8. महाकवि शंकरदेव : विचारक एवं समाजसुधारक : डॉ. कृष्ण नारायण प्रसाद 'मागध'
9. मोहन राकेश का रंगमंच : चंदन कुमार
10. एकांकी और एकांकीकार : रामचरण महेन्द्र
11. शंकरदेव के नाटक और रंगमंचीयता : डॉ. धर्मदेव तिवारी 'शास्त्री'
12. हिंदी नाटक का आत्मसंघर्ष : गिरीश रस्तोगी
13. आधुनिक हिंदी नाटक : डॉ. नगेन्द्र
14. भारतीय नाट्य परंपरा : नेमिचन्द्र जैन
15. दो रंगपुरुष : डॉ.जमुना बीनी तादर. रीडिंग रूम्स, दिल्ली

05/7/2021

संयुक्त कुलसचिव (शैक्षणिक एवं सम्मेलन)
राजीव गांधी विश्वविद्यालय
Jt. Registrar (Acad. & Conf.)
Rajiv Gandhi University
Rono Hills, Doimukh (A.P.)

तृतीय सत्र (प्रतिष्ठा)

पत्र : HIN-C-213

कथेतर गद्य साहित्य

व्याख्यान	: 4 प्रति सप्ताह
ट्यूटोरियल	: 2 प्रति सप्ताह
क्रेडिट	: 4 +2 = 6
पूर्णांक	: 100 अंक
अभ्यन्तर	: 20 अंक
सत्रांत परीक्षा/बाह्य	: 80 अंक

उद्देश्य : इस पत्र में परीक्षार्थियों को हिंदी गद्य के कथा साहित्य से भिन्न अन्य गद्य विधाओं का ज्ञान प्राप्त कराया जायेगा। इसके साथ ही छात्रों को हिंदी की कथेतर विधाओं के स्वरूप की जानकारी करायी जायेगी।

इकाई 1.

जीवनी : जीवनी की परिभाषा एवं वैशिष्ट्य ; प्रमुख जीवनी लेखकों का परिचय, निबंध : परिभाषा ; स्वरूप एवं विशेषताएं, आत्मकथा : परिभाषा एवं विशेषताएं ; हिंदी के प्रमुख आत्मकथाकार, यात्रा वृतांत : परिभाषा; स्वरूप एवं विशेषताएं, संस्मरण, डायरी, रेखाचित्र, पत्रसाहित्य एवं रिपोर्ताज की परिभाषा एवं विशेषताएं। व्याख्यान – 12

इकाई 2. **क. जीवनी:**

- प्रेमचंद घर में : शिवानी देवी

आलोचना: जीवनी साहित्य का स्वरूप, प्रेमचंद का जीवन और रचना कर्म, एक सफल जीवनी के रूप में 'प्रेमचंद घर में' की समीक्षा।

ख. निबंध:

- ईर्ष्या : रामचन्द्र शुक्ल
- नाखून क्यों बढ़ते हैं : हजारी प्रसाद द्विवेदी
- मजदूरी और प्रेम : सरदार पूर्ण सिंह
- रस आखेटक : कुबेरनाथ राय

आलोचना: पठित निबंधों की समीक्षा एवं सारांश। व्याख्यान – 12

इकाई 3. **क. आत्मकथा:**

- हादसे : रमणिका गुप्ता

आलोचना: आत्मकथा का स्वरूप, हादसे की समीक्षा, रमणिका गुप्ता का रचना संसार।

ख. रेखाचित्र

- लछमा (पाठ्यपुस्तक : अतीत के चलचित्र) : महादेवी वर्मा
- सुभान खाँ (पाठ्य पुस्तक : माटी की मूरतें) : रामवृक्ष बेनीपुरी

आलोचना: पठित रेखाचित्रों की समीक्षा एवं सारांश। व्याख्यान – 12

इकाई 4. **क. यात्रा वृतांत** : पाठ्य पुस्तक: गद्य-धारा-सं. सुशील कुमार महेश्वरी, राधाकृष्ण।

- अथातो घुमक्कड़-जिज्ञासा : राहुल सांकृत्यायन

आलोचना: हिन्दी यात्रा साहित्य और राहुल सांकृत्यायन, राहुल के यात्रा साहित्य की विशेषताएँ।

05/7/2021

संयुक्त कुलसचिव (शैक्षणिक एवं सम्मेलन)
राजीव गांधी विश्वविद्यालय
Jt. Registrar (Acad. & Conf.)
Rajiv Gandhi University
Rono Hills, Doimukh (A.P.)

ख. संस्मरण तथा रिपोर्ताज (पाठ्यपुस्तक : गद्य गौरव – सं. डॉ. ई. रा. स्वामी, राजकमल प्रकाशन)

- महात्मा गाँधी : रामकुमार वर्मा
- ऋणजल-धनजल : फणीश्वरनाथ रेणु

आलोचना: संस्मरण तथा रिपोर्ताज का स्वरूप, पठित पाठों की समीक्षा एवं लेखक परिचय ।

व्याख्यान – 12

उपलब्धियां - इस पत्र के अध्ययनोपरांत छात्र हिन्दी के जीवनी साहित्य, आत्मकथा साहित्य, यात्रा साहित्य, संस्मरण साहित्य, डायरी साहित्य, रेखाचित्र साहित्य, पत्र साहित्य एवं रिपोर्ताज साहित्य से परिचित होंगे तथा जीवनी, निबंध, आत्मकथा, रेखाचित्र, यात्रा वृत्तांत, संस्मरण तथा रिपोर्ताज से संबंधित प्रतिनिधि रचनाओं का अनुशीलन कर चुके होंगे।

निर्देशः

1. इस पत्र की इकाई 2, 3 तथा 4 से एक-एक गद्यांश व्याख्या हेतु दिया जायेगा। उनके लिये विकल्प भी रहेंगे। 8X3 = 24
2. प्रत्येक इकाई से चार आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे। चारों प्रश्नों के लिये विकल्प भी रहेंगे। 14X4= 56

कार्य-सम्पादन- पद्धति: व्याख्यान, विचार-विमर्श, समूह-चर्चा, सामग्री-समीक्षा और प्रस्तुतीकरण आदि ।

सहायक ग्रंथ –

1. हिंदी का गद्य विन्यास और विकास : रामस्वरूप चतुर्वेदी
2. हिंदी गद्य साहित्य : रामचन्द्र तिवारी
3. हिंदी गद्य रूप सैद्धान्तिक विवेचन : निर्मला देवी श्रीवास्तव
4. हिंदी निबंध उद्भव और विकास : हरिचरण शर्मा
5. हिंदी का आधुनिक यात्रा साहित्य : प्रतापपाल शर्मा
6. गद्य की नई विधाओं का विकास : माजदा असद
7. गद्य की पहचान : अरुण प्रकाश
8. दूसरी परंपरा की खोज : नामवर सिंह
9. हिंदी ललित निबंध : स्वरूप विवेचन : वेदवती राठी
10. हिंदी जीवनी साहित्य : सिद्धांत और अध्ययन : डॉ. भगवानशरण भारद्वाज

05/7/2021

संयुक्त कुलसचिव (शैक्षणिक एवं सम्मेलन)
राजीव गांधी विश्वविद्यालय
Jt. Registrar (Acad. & Conf.)
Rajiv Gandhi University
Rono Hills, Doimukh (A.P.)

चतुर्थ सत्र (प्रतिष्ठा)

पत्र : HIN-C-221

हिंदी गद्य साहित्य का इतिहास

व्याख्यान	: 4 प्रति सप्ताह
ट्यूटोरियल	: 2 प्रति सप्ताह
क्रेडिट	: 4 +2 = 6
पूर्णांक	: 100 अंक
अभ्यन्तर	: 20 अंक
सत्रांत परीक्षा/बाह्य	: 80 अंक

उद्देश्य : इस पत्र के द्वारा परीक्षार्थियों को साहित्य की नवीन गद्य विधाओं से परिचय कराया जाएगा। परीक्षार्थी को गद्य साहित्य के माध्यम से विभिन्न युगीन चुनौतियों को समझने में मदद मिलेगी। इस पत्र के माध्यम से छात्रों में युगीन राजनीतिक, सामाजिक, सांस्कृतिक तथा आर्थिक परिवेशों के प्रति एक व्यापक समझ विकसित होगी।

इकाई : 1

हिन्दी गद्य का उद्भव और विकास; आधुनिककालीन परिस्थितियों का हिन्दी गद्य के विकास में योगदान; भारतेन्दु पूर्व हिन्दी गद्य और गद्यकार; भारतेन्दुयुगीन हिन्दी गद्य एवं गद्यकार; आधुनिक हिन्दी गद्य के प्रारम्भिक उन्नयन में विभिन्न व्यक्तियों एवं संस्थाओं की भूमिका; भारतेन्दु हरिश्चन्द्र का हिन्दी गद्य को अवदान; हिन्दी गद्य के विकास में आ. महावीरप्रसाद द्विवेदी की भूमिका। व्याख्यान – 12

इकाई : 2 हिन्दी नाटक एवं एकांकी:

हिंदी नाटक, एकांकी एवं निबन्ध साहित्य का उद्भव और विकास , हिंदी नाटक के विकास में भारतेंदु का योगदान, हिंदी के प्रमुख नाटककार एवं उनका वैशिष्ट्य, हिंदी के प्रमुख एकांकीकार एवं उनकी एकांकी, हिंदी निबंध के विकास में आचार्य रामचन्द्र शुक्ल तथा हजारी प्रसाद द्विवेदी का योगदान। व्याख्यान – 12

इकाई : 3 हिन्दी कहानी एवं उपन्यास:

हिंदी कहानी एवं उपन्यास साहित्य का उद्भव और विकास, हिंदी के प्रारंभिक दौर की कहानी एवं कहानीकार, हिंदी उपन्यास के विकास के विभिन्न चरण, हिंदी उपन्यास के क्षेत्र में प्रेमचंद का स्थान, हिंदी के महिला उपन्यासकार एवं उनकी रचनाएं। व्याख्यान – 12

इकाई : 4 निबंध एवं अन्य गद्य विधाएँ:

हिंदी के प्रमुख निबंधकार एवं उनके निबंध, हिंदी के प्रमुख ललित निबंधकार, संस्मरण, जीवनी, आत्मकथा, साक्षात्कार, रिपोर्ताज, यात्रा-साहित्य तथा पत्र साहित्य का उद्भव और विकास, हिंदी के कथेतर साहित्य की विशेषताएं। व्याख्यान – 12

उपलब्धियां - इस पत्र के अध्ययनोपरांत छात्र आधुनिक काल में गद्य के उत्थान, भारतेन्दुयुगीन एवं द्विवेदीयुगीन गद्य के बारे में जानकारी प्राप्त कर चुके होंगे। छात्र नाटक, एकांकी, निबंध, कहानी, उपन्यास, संस्मरण, जीवनी, आत्मकथा, साक्षात्कार, रिपोर्ताज, यात्रा साहित्य एवं पत्र साहित्य जैसी विधाओं एवं उसके इतिहास से अवगत हो चुके होंगे।

05/7/2021

संयुक्त कुलसचिव (शैक्षणिक एवं सम्मेलन)
राजीव गांधी विश्वविद्यालय
Jt. Registrar (Acad. & Conf.)
Rajiv Gandhi University
Rono Hills, Doimukh (A.P.)

निर्देश:

1. प्रत्येक इकाई से दो-दो प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से एक-एक का उत्तर लिखना होगा। 15×4=60

2. सभी इकाइयों से 4 टिप्पणियों के उत्तर लिखने हैं। टिप्पणियों के विकल्प भी होंगे। 5×4=20

कार्य-सम्पादन- पद्धति: व्याख्यान, विचार-विमर्श, समूह-चर्चा, सामग्री-समीक्षा और प्रस्तुतीकरण आदि।

सहायक ग्रंथ :

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास : आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी।
2. हिन्दी साहित्य का इतिहास : सं. नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।
3. हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास : डॉ. रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती, इलाहाबाद।
4. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास : डॉ. बच्चन सिंह, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।
5. साहित्यिक निबंध : सं. डॉ. त्रिभुवन सिंह, हिन्दी प्रचारक संस्थान, वाराणसी।
6. साहित्यिक निबंध : डॉ. गणपति चन्द्र गुप्त, लोकभारती, इलाहाबाद।
7. वृहद साहित्यिक निबंध : डॉ. रामसागर त्रिपाठी, डॉ. शांतिस्वरूप गुप्त।
8. हिन्दी गद्य : विन्यास और विकास : डॉ. रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती, इलाहाबाद।
9. उर्दू साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास : डॉ. एहतेशाम हुसैन, लोकभारती, इलाहाबाद।
10. समकालीन हिन्दी साहित्य : विविध परिदृश्य : डॉ. रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती, इलाहाबाद।
11. हिंदी नवजागरण और जातीय गद्य परंपरा : कर्मेन्दु शिशिर, आधार प्रकाशन प्राइवेट लिमिटेड, पंचकूला।
12. भारतेन्दु हरिश्चन्द्र और हिन्दी नवजागरण की समस्याएँ : रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
13. महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिन्दी नवजागरण : रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।

05/7/2021

संयुक्त कुलसचिव (शैक्षणिक एवं सम्मेलन)
राजीव गांधी विश्वविद्यालय
Jt. Registrar (Acad. & Conf.)
Rajiv Gandhi University
Rono Hills, Doimukh (A.P.)

चतुर्थ सत्र (प्रतिष्ठा)

पत्र : HIN-C- 222

हिंदी आलोचना

व्याख्यान	: 4 प्रति सप्ताह
ट्यूटोरियल	: 2 प्रति सप्ताह
क्रेडिट	: 4 +2 = 6
पूर्णांक	: 100 अंक
अभ्यन्तर	: 20 अंक
सत्रांत परीक्षा/बाह्य	: 80 अंक

उद्देश्य: विद्यार्थी हिन्दी आलोचना के विकासक्रम को ठीक से समझ पाएंगे साथ ही आलोचना की विभिन्न दृष्टियों को भी जान सकेंगे। इस पत्र में विद्यार्थियों से हिन्दी के प्रमुख आलोचकों को जानने की अपेक्षा रहेगी।

इकाई: 1 हिन्दी आलोचना का विकास एवं मुख्य आलोचना दृष्टियाँ : हिन्दी आलोचना का आरंभिक स्वरूप; हिन्दी आलोचना का विकास; हिन्दी आलोचना की प्रमुख दृष्टियाँ - शास्त्रीय, ऐतिहासिक, मार्क्सवादी, समाजशास्त्रीय, मनोविश्लेषणवादी, रूपवादी, दलित-विमर्श, स्त्री-विमर्श।

व्याख्यान-12

नोट: इकाई 2,3 तथा 4 के लिए आलोचना के बिंदु: आलोचकों की आलोचना दृष्टियाँ, उनकी आलोचना की मूल स्थापनाएँ, हिन्दी आलोचना में आलोचक के रूप में उनका स्थान।

इकाई: 2 हिन्दी के प्रमुख आलोचक – I.

1. रामचन्द्र शुक्ल
2. हजारी प्रसाद द्विवेदी

व्याख्यान-12

इकाई: 3 हिन्दी के प्रमुख आलोचक - II

1. डॉ. नगेन्द्र
2. नन्द दुलारे वाजपेयी

व्याख्यान-12

इकाई: 4 हिन्दी के प्रमुख आलोचक - III

1. डॉ. रामस्वरूप चतुर्वेदी
2. रामविलास शर्मा

व्याख्यान-12

उपलब्धियां - इस पत्र के अध्ययनोपरांत छात्र हिन्दी आलोचना के विकास एवं मुख्य आलोचना दृष्टियाँ तथा हिन्दी के प्रमुख आलोचकों से परिचित हो चुके होंगे।

05/7/2021

संयुक्त कुलसचिव (शैक्षणिक एवं सम्मेलन)
राजीव गांधी विश्वविद्यालय
Jt. Registrar (Acad. & Conf.)
Rajiv Gandhi University
Rono Hills, Doimukh (A.P.)

निर्देश :

1. प्रत्येक इकाई से दो-दो आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से एक-एक का उत्तर लिखना होगा। 15×4= 60 अंक

2. पाँचवें प्रश्न के रूप में कुल आठ टिप्पणियां पूछी जायेंगी। इनमें से चार के उत्तर लिखने होंगे । 5×4=20 अंक

कार्य-सम्पादन- पद्धति: व्याख्यान, विचार-विमर्श, समूह-चर्चा, सामग्री-समीक्षा और प्रस्तुतीकरण आदि ।

सहायक ग्रंथ:

1. चिंतामणि भाग 1 : आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
2. आलोचक और आलोचना : बच्चन सिंह, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।
3. हिन्दी आलोचना का विकास : नंदकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
4. हिन्दी आलोचना: शिखरों का साक्षात्कार : डॉ. रामचन्द्र तिवारी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
5. आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी का साहित्य : डॉ. चौथीराम यादव, हरियाणा ग्रन्थ अकादमी।
6. हिंदी जाति का साहित्य : रामविलास शर्मा
7. नई कविता और अस्तित्ववाद : रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
8. दलित साहित्य का सौन्दर्यशास्त्र : ओमप्रकाश वाल्मीकि, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
9. दलित विमर्श की भूमिका : कंवल भारती, इतिहासबोध प्रकाशन, इलाहाबाद।
10. स्त्री उपेक्षिता : सीमोन द बोउवार, अनु.- प्रभा खेतान, हिन्द पाकेट बुक्स; दिल्ली ।
11. हिन्दी आलोचना : विश्वनाथ त्रिपाठी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
12. इतिहास और आलोचना : नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
13. दूसरी परंपरा की खोज : नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
14. हिन्दी आलोचना का विकास : मधुरेश, लोकभारती प्रकाशन, दिल्ली।
15. रामचन्द्र शुक्ल और हिन्दी आलोचना : रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
16. हिंदी के प्रहरी : रामविलास शर्मा : सं. विश्वनाथ त्रिपाठी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
17. आलोचना की सामाजिकता : मैनेजर पाण्डेय, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
18. आलोचना और आलोचना : देवी शंकर अवस्थी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
19. वाद विवाद संवाद : नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली ।
20. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल : रामचन्द्र तिवारी, साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली
21. डॉ. नगेन्द्र : निर्मला जैन, साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली
22. हिंदी गद्य : विन्यास और विकास : रामस्वरूप चतुर्वेदी

05/7/2021

संयुक्त कुलसचिव (शैक्षणिक एवं सम्मेलन)
राजीव गांधी विश्वविद्यालय
Jt. Registrar (Acad. & Conf.)
Rajiv Gandhi University
Rono Hills, Doimukh (A.P.)

चतुर्थ सत्र (प्रतिष्ठा)

पत्र : HIN-C-223

हिन्दी भाषा एवं भाषा विज्ञान

व्याख्यान	: 4 प्रति सप्ताह
ट्यूटोरियल	: 2 प्रति सप्ताह
क्रेडिट	: 4 +2 = 6
पूर्णांक	: 100 अंक
अभ्यन्तर	: 20 अंक
सत्रांत परीक्षा/बाह्य	: 80 अंक

उद्देश्य : यह पत्र पंचम सत्र (प्रतिष्ठा) के विद्यार्थियों को भाषा विज्ञान के सिद्धान्त, हिन्दी भाषा और लिपि का ज्ञान कराने के लिये है। विद्यार्थी हिंदी की विविध बोलियों से परिचित हो सकेंगे।

इकाईः1 भाषा की परिभाषा तथा अभिलक्षण; भाषा विज्ञानः अध्ययन की दिशाएँ- वर्णनात्मक, ऐतिहासिक और तुलनात्मक; भाषा विज्ञान का अन्य विज्ञानों से सम्बन्ध। व्याख्यान -12

इकाईः 2 **ध्वनि विज्ञानः**

स्वर स्वनों का वर्गीकरण, व्यंजन स्वनों का वर्गीकरण, मान स्वर, स्वन परिवर्तन की दिशाएँ और कारण। व्याख्यान -12

इकाईः 3 **अर्थ विज्ञानः** अर्थ की अवधारणा, शब्द और अर्थ का सम्बन्ध, अर्थ परिवर्तन के कारण।

रूप विज्ञानः शब्द और पद के भेद, पद परिवर्तन के कारण। व्याख्यान -12

इकाई : 4 हिन्दी भाषा : हिंदी भाषा का इतिहास ; हिन्दी की बोलियों का वर्गीकरण, भाषा और बोली में अंतर ।

देवनागरी लिपि: नामकरण, देवनागरी लिपि की विशेषताएं एवं मानकीकरण के प्रयास। व्याख्यान -12

उपलब्धियां - इस पत्र के अध्ययनोपरांत छात्र भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा की मुख्य विषयवस्तु यथा भाषा के लक्षण, भाषा विज्ञान के अध्ययन की दिशाएँ, ध्वनि, अर्थ, रूप के विविध पहलू तथा हिन्दी भाषा एवं देवनागरी लिपि के इतिहास की जानकारी प्राप्त कर चुके होंगे।

निर्देशः

1. इस पत्र की प्रत्येक इकाई से 15-15 अंकों का एक-एक दीर्घउत्तरीय प्रश्न पूछा जायेगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए विकल्प भी होंगे। 15x4= 60

2. प्रत्येक इकाई से एक-एक टिप्पणी पूछी जायेगी, जिनके विकल्प भी होंगे। 5x4= 20

05/7/2021
संयुक्त कुलसचिव (शैक्षणिक एवं सम्मेलन)
राजीव गांधी विश्वविद्यालय
Jt. Registrar (Acad. & Conf.)
Rajiv Gandhi University
Rono Hills, Doimukh (A.P.)

कार्य-सम्पादन- पद्धति: व्याख्यान, विचार-विमर्श, समूह-चर्चा, सामग्री-समीक्षा और प्रस्तुतीकरण आदि।

सहायक ग्रन्थः

1. भाषा विज्ञान की भूमिका : देवेन्द्रनाथ शर्मा
2. भाषा विज्ञान : डॉ. भोलानाथ तिवारी
3. भाषा विज्ञान एवं भाषा शास्त्र : डॉ. कपिलदेव द्विवेदी
4. हिन्दी भाषा : डॉ. भोलानाथ तिवारी
5. हिन्दी भाषाः उद्भव और विकास : डॉ. उदय नारायण तिवारी
6. शब्दार्थ तत्त्व : डॉ. शोभाकान्त मिश्र
7. आधुनिक भाषा विज्ञान : डॉ. राजमणि शर्मा
8. हिन्दी भाषा का इतिहास : डॉ.धीरेन्द्र वर्मा
9. हिन्दी भाषाः स्वरूप और विकासः : कैलाशचन्द्र भाटिया
10. भाषा और समाज : रामविलास शर्मा

05/7/2021

संयुक्त कुलसचिव (शैक्षणिक एवं सम्मेलन)
राजीव गांधी विश्वविद्यालय
Jt. Registrar (Acad. & Conf.)
Rajiv Gandhi University
Rono Hills, Doimukh (A.P.)

पंचम सत्र (प्रतिष्ठा)

पत्र – HIN-C- 311

भारतीय काव्यशास्त्र

व्याख्यान	: 4 प्रति सप्ताह
ट्यूटोरियल	: 2 प्रति सप्ताह
क्रेडिट	: 4 +2 = 6
पूर्णांक	: 100 अंक
अभ्यन्तर	: 20 अंक
सत्रांत परीक्षा/बाह्य	: 80 अंक

उद्देश्य : यह पत्र पंचम सत्र में हिन्दी (प्रतिष्ठा) के विद्यार्थियों के लिये है। इसमें विद्यार्थी भारतीय काव्य सिद्धान्तों के सम्बन्ध में सम्यक् ज्ञान प्राप्त करने के साथ-साथ काव्य के महत्वपूर्ण उपादानों से भी परिचित होंगे । इस पत्र के माध्यम से विद्यार्थी कविता के मानकों को ठीक से समझ पायेंगे और काव्य की सही विश्लेषण करने में सक्षम होंगे ।

इकाई:1

भारतीय काव्यशास्त्रः भारतीय काव्यशास्त्र का संक्षिप्त इतिहास; काव्य-लक्षण; काव्य–प्रयोजन; काव्य-हेतु; काव्य के गुण-दोष, शब्द-शक्ति । व्याख्यान-12

इकाई: 2 (क) रस सिद्धांत : रस का स्वरूप और भेद, रस निष्पत्ति तथा साधारणीकरण ।

(ख) ध्वनि सिद्धांत : ध्वनि की परिभाषा तथा उसके भेद । व्याख्यान-12

इकई: 3 (क) अलंकार सिद्धांत : परिभाषा, लक्षण तथा उसके भेद ।

(ख) रीति सिद्धांत : रीति का अर्थ, रीति के भेद । व्याख्यान-12

इकाई: 4 (क) वक्रोक्ति सिद्धांत : वक्रोक्ति की अवधारणा तथा वक्रोक्ति के भेद ।

(ख) औचित्य सिद्धांत : औचित्य की अवधारणा तथा उनके भेद । व्याख्यान-12

उपलब्धियां - इस पत्र के अध्ययनोपरांत छात्र भारतीय काव्यशास्त्र की गौरवशाली परंपरा से परिचित हो चुके होंगे। काव्यशास्त्र की प्रमुख अवधारणाओं एवं रस, अलंकार, रीति, ध्वनि, वक्रोक्ति एवं औचित्य जैसे काव्य तत्वों से अवगत हो चुके होंगे।

05/7/2021

संयुक्त कुलसचिव (शैक्षणिक एवं सम्मेलन)
राजीव गांधी विश्वविद्यालय
Jt. Registrar (Acad. & Conf.)
Rajiv Gandhi University
Rono Hills, Doimukh (A.P.)

निर्देश:

1. इस पत्र की प्रत्येक इकाई से 15-15 अंकों का एक-एक दीर्घउत्तरीय प्रश्न पूछा जायेगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए विकल्प भी होंगे। 15x4= 60

2. प्रत्येक इकाई से एक-एक टिप्पणी पूछी जायेगी, जिनके विकल्प भी होंगे। 5x4= 20

कार्य-सम्पादन- पद्धति: व्याख्यान, विचार-विमर्श, समूह-चर्चा, सामग्री-समीक्षा और प्रस्तुतीकरण आदि।

सहायक ग्रन्थ:

1. संस्कृत आलोचना : आचार्य बलदेव उपाध्याय
2. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र : डॉ. भगीरथ मिश्र
3. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र तथा हिन्दी आलोचना : डॉ. रामचन्द्र तिवारी
4. पाश्चात्य काव्यशास्त्र : डॉ. देवेन्द्रनाथ शर्मा
5. काव्यशास्त्र विमर्श : डॉ. कृष्णनारायण प्रसाद 'मागध'
6. काव्यांग कौमुदी : आ. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
7. काव्य के तत्त्व : देवेन्द्रनाथ शर्मा
8. भारतीय काव्यशास्त्र : सत्यदेव चौधरी
9. भारतीय काव्यशास्त्र की भूमिका : डॉ. नगेन्द्र
10. रस मीमांसा : आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
11. भारतीय काव्यशास्त्र के नए क्षितिज : डॉ. राममूर्ति त्रिपाठी

05/7/2021

संयुक्त कुलसचिव (शैक्षणिक एवं सम्मेलन)
राजीव गांधी विश्वविद्यालय
Jt. Registrar (Acad. & Conf.)
Rajiv Gandhi University
Rono Hills, Doimukh (A.P.)

पंचम सत्र (प्रतिष्ठा)

पत्र : HIN-C–312

पाश्चात्य काव्यशास्त्र

व्याख्यान	: 4 प्रति सप्ताह
ट्यूटोरियल	: 2 प्रति सप्ताह
क्रेडिट	: 4 +2 = 6
पूर्णांक	: 100 अंक
अभ्यन्तर	: 20 अंक
सत्रांत परीक्षा/बाह्य	: 80 अंक

उद्देश्य : यह पत्र षष्ठ सत्र में हिन्दी (प्रतिष्ठा) के विद्यार्थियों के लिये है। इसमें विद्यार्थी पश्चिमी साहित्य चिंतन की परंपरा का ज्ञान प्राप्त करने के साथ-साथ पश्चिमी आलोचना दृष्टि को भी ठीक से समझ पायेंगे। विद्यार्थी भारतीय एवं पाश्चात्य आलोचना दृष्टियों का तुलनात्मक विवेचन भी कर सकेंगे।

इकाई:1 .

क. प्लेटो : काव्य सम्बन्धी अवधारणाएं।
ख. अरस्तू : अनुकरण सम्बन्धी अवधारणा, विरेचन एवं त्रासदी के सिद्धांत।
ग. लोंजाइनस : उदात्त सिद्धांत। व्याख्यान-12

इकाई: 2

क. वर्ड्सवर्थ : काव्य भाषा का सिद्धांत।
ख. कॉलरिज : काव्य सम्बन्धी अवधारणा , कल्पना एवं फैंटेसी का सिद्धांत।
ग. क्रोचे : अभिव्यंजना का सिद्धांत । व्याख्यान-12

इकाई: 3

क. टी.एस. इलिएट : परंपरा और वैक्तिक प्रतिभा।
ख. आई. ए. रिचडर्स : मूल्य सिद्धांत तथा संप्रेषण का सिद्धांत।
ग. फ्रायड: मनोवैज्ञानिक कला-चिंतन। व्याख्यान-12

इकाई: 4

प्रमुख वाद और सिद्धांत : स्वच्छन्दतावाद, अस्तित्ववाद, मार्क्सवाद, मनोविश्लेषणवाद तथा आधुनिकतावाद, प्रतीक और बिम्ब। व्याख्यान-12

उपलब्धियां - इस पत्र के अध्ययनोपरांत छात्र पाश्चात्य काव्यशास्त्र की गौरवशाली परंपरा और प्रमुख आचार्यों के साहित्य चिंतन से परिचित हो चुके होंगे और उन्हें पाश्चात्य साहित्य चिंतन के प्रमुख वादों और सिद्धांतों की जानकारी प्राप्त हो चुकी होगी।

05/7/2021
संयुक्त कुलसचिव (शैक्षणिक एवं सम्मेलन)
राजीव गांधी विश्वविद्यालय
Jt. Registrar (Acad. & Conf.)
Rajiv Gandhi University
Rono Hills, Doimukh (A.P.)

निर्देश:

1. इस पत्र की प्रत्येक इकाई से 15-15 अंकों का एक-एक दीर्घउत्तरीय प्रश्न पूछा जायेगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए विकल्प भी होंगे। 15x4= 60
2. प्रत्येक इकाई से एक-एक टिप्पणी पूछी जायेगी, जिनके विकल्प भी होंगे। 5x4= 20

कार्य-सम्पादन- पद्धति: व्याख्यान, विचार-विमर्श, समूह-चर्चा, सामग्री-समीक्षा और प्रस्तुतीकरण आदि।

सहायक ग्रंथ :

1. पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिद्धांत : डॉ. शांतिस्वरूप गुप्त
2. पाश्चात्य काव्यशास्त्र : देवेन्द्रनाथ शर्मा
3. पाश्चात्य काव्यशास्त्र : बच्चन सिंह
4. पाश्चात्य काव्यशास्त्र: इतिहास, सिद्धांत और वाद : डॉ. भगीरथ मिश्र
5. पाश्चात्य साहित्य चिंतन : निर्मला जैन
6. पाश्चात्य काव्यशास्त्र : विजय बहादुर सिंह

05/7/2021
संयुक्त कुलसचिव (शैक्षणिक एवं सम्मेलन)
राजीव गांधी विश्वविद्यालय
Jt. Registrar (Acad. & Conf.)
Rajiv Gandhi University
Rono Hills, Doimukh (A.P.)

षष्ठ सत्र (प्रतिष्ठा)

पत्र: HIN-C- 321

मीडिया के विविध आयाम

व्याख्यान	: 4 प्रति सप्ताह
ट्यूटोरियल	: 2 प्रति सप्ताह
क्रेडिट	: 4 +2 = 6
पूर्णांक	: 100 अंक
अभ्यन्तर	: 20 अंक
सत्रांत परीक्षा/बाह्य	: 80 अंक

उद्देश्य : यह पत्र षष्ठ सत्र हिन्दी (प्रतिष्ठा) के परीक्षार्थियों के लिए है। इस प्रश्नपत्र में परीक्षार्थियों को मीडिया के विविध रूपों से परिचित होने का अवसर प्राप्त होगा तथा मीडिया के क्षेत्र में रोजगार की संभावनाओं को तलाशने में उन्हें सहायता प्राप्त होगी। इस पत्र में परीक्षार्थियों को मीडिया लेखन के विविध आयाम का अभ्यास कराये जायेंगे ताकि वे सृजनात्मक लेखन में दक्षता प्राप्त कर सकें।

इकाई 1:

मीडिया : उद्भव और विकास, स्वाधीनता पूर्व मीडिया लेखन, स्वातंत्र्योत्तर मीडिया लेखन, मीडिया की उपयोगिता, मीडिया के विविध रूप - प्रिंट मीडिया, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया – टेलीविजन, रेडियो और फिल्म।

व्याख्यान-12

इकाई 2:

मीडिया और हिन्दी भाषा: मीडिया में प्रयुक्त हिन्दी शब्दावली और उनका प्रयोग क्षेत्र, हिन्दी मीडिया का वर्तमान स्वरूप, समाचार लेखन की भाषा, रेडियो तथा टेलीविज़न हेतु हिन्दी कार्यक्रम निर्माण, सोशल मीडिया की भाषा।

व्याख्यान-12

इकाई 3:

जनमाध्यम लेखन: परिचय एवं अवधारणा, मीडिया लेखन के सृजनात्मक आयाम, समाचार लेखन,फीचर लेखन, स्तंभ लेखन, अग्रलेख लेखन, इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों के लिए लेखन- रेडियो, टेलीविज़न एवं फिल्म।

व्याख्यान-12

इकाई 4 :

सूचना एवं संचार-प्रौद्योगिकी (आई सी टी): न्यू मीडिया का आभासी संचार (वर्चुअल वर्ल्ड), डिजिटलाइजेशन एवं हिंदी मीडिया, यूनिकोड की विशेषताएँ,न्यू मीडिया के विविध रूप: उपादेयता एवं महत्व,न्यू मीडिया का सामाजिक एवं सांस्कृतिक प्रभाव।

व्याख्यान-12

05/7/2021

संयुक्त कुलसचिव (शैक्षणिक एवं सम्मेलन)
राजीव गांधी विश्वविद्यालय
Jt. Registrar (Acad. & Conf.)
Rajiv Gandhi University
Rono Hills, Doimukh (A.P.)

उपलब्धियां - इस पत्र द्वारा विद्यार्थी मीडिया के पारम्परिक एवं आधुनिक विभिन्न पक्षों से परिचित हुए। मीडिया की मौजूदा कार्य-संस्कृति में लेखन एवं प्रस्तुति, तकनीकी-प्रौद्योगिक आधारित बहुविध जानकारियों से अवगत हुए। साथ ही मीडिया के प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों के लेखन-सम्पादन की व्यावहारिक जानकारी को विद्यार्थी भली-भाँति जान पाए।

निर्देश:

1. इस पत्र की प्रत्येक इकाई से 15-15 अंकों का एक-एक दीर्घउत्तरीय प्रश्न पूछा जायेगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए विकल्प भी होंगे। 15x4= 60
2. प्रत्येक इकाई से एक-एक टिप्पणी पूछी जायेगी, जिनके विकल्प भी होंगे। 5x4= 20

कार्य-सम्पादन- पद्धति: व्याख्यान, विचार-विमर्श, समूह-चर्चा, सामग्री-समीक्षा और प्रस्तुतीकरण आदि।

सहायक ग्रंथ :

1. विज्ञापन माध्यम एवं प्रचार : डॉ. विजय कुलश्रेष्ठ
2. जनसंचार माध्यम : विविध आयाम : बृज मोहन गुप्त
3. जनमाध्यम : संप्रेषण और विकास : देवेन्द्र इस्सर
4. हिंदी पत्रकारिता : कल आज और कल : सं. सुरेश गौतम
5. मीडिया की भाषा : डॉ. वसुधा गाडगिल
6. टेलीविजन की दुनिया : प्रभु झिंगरन
7. पत्रसंपादन कला : नन्द किशोर त्रिखा

05/7/2021
संयुक्त कुलसचिव (शैक्षणिक एवं सम्मेलन)
राजीव गांधी विश्वविद्यालय
Jt. Registrar (Acad. & Conf.)
Rajiv Gandhi University
Rono Hills, Doimukh (A.P.)

षष्ठ सत्र (प्रतिष्ठा)

पत्र : HIN-C-322

प्रयोजनमूलक हिन्दी

व्याख्यान	: 4 प्रति सप्ताह
ट्यूटोरियल	: 2 प्रति सप्ताह
क्रेडिट	: 4 +2 = 6
पूर्णांक	: 100 अंक
अभ्यन्तर	: 20 अंक
सत्रांत परीक्षा/बाह्य	: 80 अंक

उद्देश्य : यह प्रश्न पत्र षष्ठ सत्र हिन्दी प्रतिष्ठा के परीक्षार्थियों के लिए है। इस पत्र में विद्यार्थियों को प्रयोजनमूलक हिन्दी, हिन्दी भाषा, हिन्दी पत्रकारिता एवं पत्र-लेखन के संबंध में समझ विकसित करायी जाएगी।

इकाईः 1 प्रयोजनमूलक हिन्दीः परिभाषा और स्वरूप; प्रयोजनमूलक हिन्दी की आवश्यकता एवं विशेषताएँ। राष्ट्रभाषा, राजभाषा का स्वरूप : सम्पर्क भाषाः स्वरूप; सम्पर्क भाषा के रूप में हिन्दी का राष्ट्रीय एवं सामाजिक परिप्रेक्ष्य; स्वाधीनता संग्राम में हिन्दी की भूमिका; पूर्वोत्तर भारत में सम्पर्क भाषा के रूप में हिन्दी के प्रचार और प्रसार की उपयोगिता; प्रचार में आने वाली समस्याएँ, समाधान और सुझाव। व्याख्यान-12

इकाईः 2 **राजभाषा**

राजभाषाः अर्थ एवं स्वरूप; हिन्दी की संवैधानिक स्थिति ; अनुच्छेद 343 से 351; राजभाषा नियम 1976 यथा संशोधित 1987; राजभाषा के रूप में हिन्दी के प्रयोग में आने वाली समस्याएँ और सुझाव, राजभाषा संकल्प, त्रिभाषा सूत्र। व्याख्यान-12

इकाईः 3 **हिन्दी पत्रकारिता एवं संचार माध्यम**

पत्रकारिता- हिन्दी पत्रकारिता के विकास का संक्षिप्त परिचय; साहित्यिक पत्रकारिता; हिन्दी पत्रकारिता की वर्तमान स्थिति।

संचार माध्यम- हिन्दी भाषा और साहित्य के विकास में आकाशवाणी, दूरदर्शन एवं चित्रपट का योगदान; रेडियो लेखन की कला। व्याख्यान-12

इकाई 4 **पत्र लेखनः** सरकारी तथा अर्धसरकारी पत्र, सूचना, ज्ञापन, आदेश, टिप्पणी, अनुस्मारक, प्रतिवेदन, मसौदा लेखन, तथा विज्ञापन लेखन।

अनुवाद एवं पारिभाषिक शब्दावलीः परिभाषा; अनुवाद के प्रकार; अनुवादः समस्याएँ और समाधान। पारिभाषिक शब्दावलीः स्वरूप एवं परिभाषा; 100 पारिभाषिक शब्द। व्याख्यान-12

उपलब्धियां - इस पत्र के माध्यम से विद्यार्थी राजभाषा सम्बन्धी जरूरी सांविधानिक प्रावधान तथा उनके महत्त्व से परिचित हुए। विद्यार्थियों को इस पत्र द्वारा प्रयोजनमूलक हिंदी के क्षेत्र में कौशल-विकास हेतु हिन्दी भाषा के विविध रूपों तथा उनके व्यापक सम्पर्क-क्षेत्र से परिचित कराया गया। विद्यार्थियों को हिन्दी पत्रकारिता और संचार माध्यम के

05/7/2021
संयुक्त कुलसचिव (शैक्षणिक एवं सम्मेलन)
राजीव गांधी विश्वविद्यालय
Jt. Registrar (Acad. & Conf.)
Rajiv Gandhi University
Rono Hills, Doimukh (A.P.)

बहुआयामी रूपों के विवेचन-विश्लेषण से हिन्दी की बढ़ती उपादेयता तथा लेखन आधारित बारीकियों की जानकारी मिली। प्रयोजनमूलक हिन्दी के मुख्य परिक्षेत्र पत्र-लेखन, अनुवाद तथा विभिन्न प्रकार की शब्दावलियों के महत्त्व एवं उपयोगिता आदि से विस्तारपूर्वक अवगत होने का अवसर मिला।

निर्देशः

1. इस पत्र की प्रत्येक इकाई से 15-15 अंकों का एक-एक दीर्घउत्तरीय प्रश्न पूछा जायेगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए विकल्प भी होंगे। 15 X4= 60
2. चारों इकाईयों से एक-एक टिप्पणी पूछी जायेगी जिनमें से किन्हीं दो के उत्तर देने होंगे। 5X2= 10
3. इस पत्र में निर्धारित 100 पारिभाषिक शब्दों में से दस पारिभाषिक शब्द परीक्षा में पूछे जायेंगे। 1X10= 10

कार्य-सम्पादन- पद्धति : व्याख्यान, विचार-विमर्श, समूह-चर्चा, सामग्री-समीक्षा और प्रस्तुतीकरण आदि।

सहायक ग्रन्थः

1. राजभाषा हिन्दी प्रचलन : डॉ. रामेश्वर प्रसाद
2. हिन्दी पत्रकारिता : डॉ. वेदप्रताप वैदिक
3. व्यावहारिक राजभाषा : डॉ. नारायणदत्त पालीवाल
4. अनुवादः सिद्धान्त और प्रयोग : गोपीनाथन, जी
5. हिन्दी शब्द-अर्थ प्रयोग : डॉ. हरदेव बाहरी
6. पूर्वोत्तर में हिन्दी प्रचार-प्रसार : चित्र महन्त
7. प्रयोजनमूलक हिन्दी : डॉ. महन्त
8. प्रयोजनमूलक हिन्दी : डॉ. रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव
9. अरुणाचल प्रदेश में हिन्दीः अध्ययन के नये आयाम :डॉ. श्यामशंकर सिंह

अंग्रेजी के सौ पारिभाषिक शब्द हिंदी अर्थ के साथ :

1. Abandonment - परित्याग
2. Ability - योग्यता
3. Abolition - उन्मूलन, अंत
4. Abridge - संक्षेप करना, न्यून करना
5. Absence - अनुपस्थिति
6. Absolve - विमुक्त करना
7. Absorb - अवशोषण करना, समाहित करना
8. Abstract - सार
9. Absurdity - अर्थहीनता, बेतुकापन

05/7/2021
संयुक्त कुलसचिव (शैक्षणिक एवं सम्मेलन)
राजीव गांधी विश्वविद्यालय
Jt. Registrar (Acad. & Conf.)
Rajiv Gandhi University
Rono Hills, Doimukh (A.P.)

10. Academic - शैक्षणिक
11. Academy - अकादमी
12. Acceptance - स्वीकार
13. Account - लेखा, खाता
14. Accurate - यथार्थ
15. Accuse - अभियोग लगाना
16. Adjustment - समायोजन
17. Adjuster -समायोजक
18. Administrative - प्रशासकीय
19. Admonition - भर्त्सना
20. Affidavit - शपथनामा
21. Affiliate - सम्बद्ध करना
22. Allotment - आबंटन
23. Ambassador - राजदूत
24. Bench - न्यायपीठ
25. Bribe - घूस,रिश्वत
26. Broadcast - प्रसारण
27. Cabinet - मंत्रिमंडल
28. Capital - पूँजी
29. Catalogue - ग्रंथसूची
30. Caution - सावधान
31. Cell - कोष्ठ /कक्ष
32. Censure Motion - निन्दा प्रस्ताव
33. Circle - इलाका / अंचल
34. Claim - दावा
35. Claimant - दावेदार
36. Clause - खंड
37. Collusion - दुरभिसंधि
38. Commemoration - स्मारक
39. Commencement - प्रारंभ
40. Comment - टीका, टिप्पणी
41. Concern - प्रतिष्ठाण/सरोकार/चिंता/समुद्यम
42. Concession - रियायत
43. Confidential - गोपनीय

05/7/2021
संयुक्त कुलसचिव (शैक्षणिक एवं सम्मेलन)
राजीव गांधी विश्वविद्यालय
Jt. Registrar (Acad. & Conf.)
Rajiv Gandhi University
Rono Hills, Doimukh (A.P.)

44. Confirmation -पुष्टि करना
45. Contribution - अंशदान
46. Corrigendum - शुद्धिपत्र
47. Controversial - विवादास्पद
48. Corroborate - संपुष्टि करना
49. Credibility - विश्वसनीयता
50. Defamation - मानहानि
51. Defence - रक्षा
52. Defendant - प्रतिवादी
53. Deficiency - कमी
54. Denial - अस्वीकार
55. Department - विभाग
56. Deposit - निक्षेप / जमा
57. Deputy - उप
58. Detective - गुप्तचर /जासूस
59. Dignitary - उच्चपदधारी / उच्चपदस्थ
60. Discrepancy - विसंगति
61. Dismiss - पदच्युत करना
62. Disobey - अवज्ञा करना / आज्ञा न मानना
63. Disposal - निपटान / निवर्तन
64. Disqualify - अनर्ह करना / अनर्ह होना
65. Disregard - अवहेलना
66. Ditto - यथोपरि / जैसे ऊपर
67. Duration - अवधि
68. Draft - प्रारूप /मसौदा
69. Earmark - चिह्न करना/उद्दिष्ट करना
70. Eligible - पात्र
71. Embassy - राजदूतावास
72. Emblem - प्रतीक / चिह्न
73. Enrolment - नामांकन
74. Ensure - आश्वस्त करना
75. Entitle - हकदार होना
76. Extensive - व्यापक / विस्तृत
77. Faculty -संकाय

05/7/2021
संयुक्त कुलसचिव (शैक्षणिक एवं सम्मेलन)
राजीव गांधी विश्वविद्यालय
Jt. Registrar (Acad. & Conf.)
Rajiv Gandhi University
Rono Hills, Doimukh (A.P.)

78. Financial	- वित्तीय
79. Forward	- अग्रेषित करना
80. Judgement	- निर्णय
81. Legislative	- विधान मंडल
82. Leisure	- अवकाश
83. Lien	- पुनर्ग्रहणाधिकार
84. Literacy	- साक्षरता
85. Misconduct	- अनाचार / कदाचार
86. Monopoly	- एकाधिकार
87. Nominee	-नामिती /नामित / मनोनीत व्यक्ति
88. Non-acceptance	- अस्वीकृति
89. Oath	- शपथ
90. Observance	- पालन
91. Prohibited	- निषिद्ध
92. Project	- परियोजना
93. Promotion	- प्रोन्नति
94. Prospectus	- विवरण-पत्रिका
95. Provisional	- अस्थायी
96. Provision	- उपबंध / शर्त, व्यवस्था
97. Recommended	- संस्तुत
98. Relaxation	- छूट / रियायत/ढील
99. Unavoidable	- अनिवार्य /अपरिहार्य
100. Valid	- विधिमान्य

05/7/2021

संयुक्त कुलसचिव (शैक्षणिक एवं सम्मेलन)
राजीव गांधी विश्वविद्यालय
Jt. Registrar (Acad. & Conf.)
Rajiv Gandhi University
Rono Hills, Doimukh (A.P.)

Ability Enhancement Compulsory Course (AECC)

योग्यता वर्धन अनिवार्य पाठ्यक्रम

प्रथम सत्र

(विद्यार्थी निम्नलिखित में से किसी एक पत्र का चयन कर सकते हैं।)

ENG-A-111 : English for Communication (EC)

अथवा

HIN-A-111: हिन्दी शिक्षण

द्वितीय सत्र

पत्र – GEO-A-121: Environnmental Studies (EVS)

05/7/2021

संयुक्त कुलसचिव (शैक्षणिक एवं सम्मेलन)
राजीव गांधी विश्वविद्यालय
Jt. Registrar (Acad. & Conf.)
Rajiv Gandhi University
Rono Hills, Doimukh (A.P.)

प्रथम सत्र	व्याख्यान	: 4 प्रति सप्ताह
ENG-A-111	क्रेडिट	: 4
English for Communication (English/MIL)	पूर्णांक	: 100 अंक
	अभ्यन्तर	: 20 अंक
	सत्रांत परीक्षा/बाह्य	: 80 अंक

Course Level Learning Objectives

The course will seek to achieve the following objectives:

- to make students understand basic rules of Grammar
- to make students use the rules of Grammar for various composition exercises
- to make students appreciate rules of Grammar as used for model in various literary compositions
- to make students enjoy and appreciate literary pieces
- to expose students to literary pieces to develop their creativity

Course Learning Outcomes

At the end of the course students will be able to:

- convey their ideas in English using simple and acceptable English in writing
- understand Fundamentals of Grammar
- describe a diagram or elaborate information contained in a graph, chart, table etc ,write a review of a book or a movie
- write a précis writing, paragraph writing(150 words), Letter writing – personal, official, Demi-official, Business, Public speaking, soft skills, Interviews, preparing curriculum vitae, Report(Meetings and Academic) writing

Scheme of Examination:

•Emphasis being on the formative assessment and CCCE, there would be two Sessional Tests and one Assignment held. Average of Marks scored in the Best of the two of the above will be taken towards Score in the Internal exam. The same would be added to the total score in the final examination. The Sessional Test will be held for 20 marks. The Assignment will also carry 20 marks.

•The final examination will be held for 80 marks.

•Thus, the Paper will be examined for a total of 20+80 =100 Marks.

Marking Scheme:

Special Reference will be sought to RGU –**Notification No.AC-1465/CBCS/2014 Date.25June2021** for all practical purposes.

Course Content

Module – I:Poetry

William Shakespeare – All the World is a stage.
William Wordsworth – I wondered lonely as a Cloud.
Ralph Waldo Emerson – The Mountain and the Squirrel.
Emily Dickinson – Success is Counted Sweetest.
Robert Frost - Stopping by Woods on a Snowy Evening.
Rabindranath Tagore – Where the Mind is without Fear.

05/7/2021
संयुक्त कुलसचिव (शैक्षणिक एवं सम्मेलन)
राजीव गांधी विश्वविद्यालय
Jt. Registrar (Acad. & Conf.)
Rajiv Gandhi University
Rono Hills, Doimukh (A.P.)

A.K.Meherotra – Songs of the Ganga.

Module – II:Short stories

R.K. Narayan – Lawly Road/Mulk Raj Anand – Barbar's Trade Union.
Somerset Mangham – The Luncheon/Guy De. Maupassant – The Necklace
Anton Chekhov – The Lament/ O' Henry – The Last Leaf
Manoj Das – The Submerged Valley.

Module – III:One- Act plays and Short fiction

(A) Norman Mckinnell - The Bishop's Candle Sticks/Anton Chekov – A Marriage Proposal
Eugene lonesco – The Lesson /August Strandberg – Miss Jullie
Fritz Karinthy– Refund
(B)Harper Lee – To kill a Mocking Bird.
Or
R. K. Narayan – Vendor of Sweets.

Module – IV: Fundamentals of Grammar

Parts of speech, articles and intensifiers, use of tense forms, use of infinitives, conditionals , adjectives and adverbs, prepositions, making affirmative, negative and interrogative, making question tag.

Module – V:Composition Practice

(A) Comprehension, précis writing, paragraph writing(150 words), reviewing movies and books ,Letter writing – personal, official, Demi-official, Business, Public speaking, soft skills, Interviews, preparing curriculum vitae, Report(Meetings and Academic) writing.

(B) Communication Practice –
Introducing yourself, introducing people to others, meeting people, Exchanging greetings, taking leave, answering the telephone, asking someone for some purpose, taking and leaving messages, call for help in Emergency, e-mails writing ,explaining a graph, chart, table etc.

Suggested Topics for Background Reading and Class Presentation

Short selections from the works prescribed in Modules **I,II and III** – reading , re-telling , role-playing , explaining with reference to contemporary social experiences
Practical writing work on Modules **IV and V**

Suggested Reading:

1- For reading the texts available sources of texts and help of the Web source may be taken.
2- Crystal, David(1985) Rediscover Grammar with David Crystal. Longman.
3- Hewings, M. (1999) Advanced English Grammar. Cambridge University Press.
4- Bakshi, R. N. A course in English Grammar, orient Longman
5- Krishnaswamy, N. Modern English – A Book of Grammar, usage andcomposition. MacMillan India Ltd.

05/7/2021
संयुक्त कुलसचिव (शैक्षणिक एवं सम्मेलन)
राजीव गांधी विश्वविद्यालय
Jt. Registrar (Acad. & Conf.)
Rajiv Gandhi University
Rono Hills, Doimukh (A.P.)

प्रथम सत्र

पत्र – HIN-A-111

हिंदी शिक्षण

व्याख्यान	: 4 प्रति सप्ताह
क्रेडिट	: 4
पूर्णांक	: 100 अंक
अभ्यन्तर	: 20 अंक
सत्रांत परीक्षा/बाह्य	: 80 अंक

यह प्रश्नपत्र प्रथम सत्र में हिन्दी कौशलाधारित पाठ्यक्रम चुनने वाले सभी विद्यार्थियों के लिये है। यह पत्र चार इकाइयों में विभक्त है। प्रत्येक इकाई के लिये अंक अलग-अलग निर्धारित हैं।

उद्देश्य:सामाजिक, व्यावसायिक, कार्यालयी तथा शैक्षणिक परिप्रेक्ष्य में विद्यार्थियों के भाषा-कौशल में निखार लाना। विद्यार्थियों में प्रतिस्पर्धात्मक परीक्षाओं एवं साक्षात्कार हेतु आत्मविश्वास उत्पन्न करना। विद्यार्थियों में रचनात्मक कौशल विकसित करना। भाषा-ज्ञान के माध्यम से विद्यार्थियों को रोजगारोन्मुख शिक्षा प्रदान करना।

इकाई: 1 राष्ट्रीय एवं अन्तरराष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य में हिन्दी का महत्त्व; मानक हिन्दी और बोलचाल की हिन्दी में अन्तर; स्वागत भाषण, भाषण, विषय प्रवर्तन तथा धन्यवाद ज्ञापन। व्याख्यान – 10

इकाई: 2 **आलेख रचना**

सम्पादक के नाम पत्र, सम्पादकीय लेखन, स्तम्भ लेखन, पत्र-पत्रिकाओं के लिये आलेख रचना ; आकाशवाणी एवं दूरदर्शन हेतु वार्ता, साक्षात्कार एवं परिचर्चा तैयार करने की विधियाँ।

व्याख्यान – 10

इकाई: 3 **व्यावहारिक लेखन**

कार्यालयी पत्राचार; प्रेस विज्ञप्ति; सूचना ; ज्ञापन; कार्यसूची; कार्यवृत्त; प्रतिवेदन; सम्पादन; संक्षेपण; आत्मविवरण तथा ई-मेल लेखन, फेसबुक, ब्लॉग और ट्वीटर लेखन। व्याख्यान – 10

इकाई: 4 **सृजनात्मक लेखन**

कविता, कहानी, नाटक तथा एकांकी, निबंध, यात्रावृत का स्वरूप विवेचन। व्याख्यान – 10

उपलब्धियां - हिंदी शिक्षण से सम्बन्धित इस पत्र में विद्यार्थी हिन्दी भाषा के व्यावहारिक स्वरूप तथा प्रयोजनमूलक हिन्दी के क्षेत्र लेखन से जुड़ी बहुविध जानकारियों से परिचित हुए। हिन्दी भाषा की बढ़ती लोकप्रियता और बढ़ते अन्तरराष्ट्रीय महत्त्व के सन्दर्भ में हिन्दी भाषा आधारित कौशल विकास से विद्यार्थियों को अवगत कराया गया। विशेषकर आलेख रचना के अतिरिक्त व्यावहारिक एवं सर्जनात्मक लेखन से जुड़ी बारीकियों को जान सके।

05/7/2021
संयुक्त कुलसचिव (शैक्षणिक एवं सम्मेलन)
राजीव गांधी विश्वविद्यालय
Jt. Registrar (Acad. & Conf.)
Rajiv Gandhi University
Rono Hills, Doimukh (A.P.)

निर्देशः

1. इस पत्र की प्रत्येक इकाई से 15-15 अंकों का एक-एक दीर्घउत्तरीय प्रश्न पूछा जायेगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए विकल्प भी होंगे। 15X4= 60
2. प्रत्येक इकाई से 5-5 अंकों की 4 टिप्पणियां पूछी जायेगीं। टिप्पणियों के लिये विकल्प भी रहेंगे। 5X4= 20

कार्य-सम्पादन- पद्धति : व्याख्यान, विचार-विमर्श, समूह-चर्चा, सामग्री-समीक्षा और प्रस्तुतीकरण आदि।

सहायक ग्रन्थः

1. अच्छी हिन्दी : रामचन्द्र वर्मा।
2. व्यावहारिक हिन्दी व्याकरण और रचना : हरदेव बाहरी।
3. हिन्दी भाषा :डॉ. भोलानाथ तिवारी।
4. रेडियो लेखन : मधुकर गंगाधर।
5. टेलीविजनः सिद्धान्त और टैकनिक :मथुरादत्त शर्मा।
6. प्रयोजनमूलक हिन्दी : डॉ. दंगल झाल्टे।
7. सरकारी कार्यालयों में हिन्दी का प्रयोग : गोपीनाथ श्रीवास्तव, राजकमल, दिल्ली।
8. टेलीविजन लेखन : असगर वजाहत / प्रेमरंजन ; राजकमल, दिल्ली।
9. रेडियो नाटक की कला : डॉ. सिद्धनाथ कुमार, राजकमल, दिल्ली।
10. रेडियो वार्ता-शिल्प : सिद्धनाथ कुमार, राजकमल, दिल्ली

05/7/2021

संयुक्त कुलसचिव (शैक्षणिक एवं सम्मेलन)
राजीव गांधी विश्वविद्यालय
Jt. Registrar (Acad. & Conf.)
Rajiv Gandhi University
Rono Hills, Doimukh (A.P.)

द्वितीय सत्र

पत्र – GEO-A-121

ENVIRONMENTAL STUDIES

व्याख्यान	: 4 प्रति सप्ताह
क्रेडिट	: 4
पूर्णांक	: 100 अंक
अभ्यन्तर	: 20 अंक
सत्रांत परीक्षा/बाह्य	: 80 अंक

Objective:

1. To know the basic components of environment and functioning of ecosystem.
2. To know the common environmental problems, causes and consequences and solutions.

Learning Outcome:

1. To develop a sense of responsibility and attitude towards conservation of environment.
2. To develop basic skill of solving environmental problem at local level.

Course Content

I **Introduction to Environmental Studies**

- i. Development of Environmental Studies
- ii. Meaning of environment
- iii. Concept of Environment
- iv. Scope of Environmental Studies

II **Understanding the Environment**

- i. Biosphere
- ii. Ecosystem
- iii. Habitat
- iv. Cultural Landscape

III **Environmental Hazards**

- i. Natural Hazards
- ii. Flood, Drought, Cyclone & Earthquake, Landslide
- iii. Man Made Hazards
- iv. Deforestation

IV **Environmental conservation**

- i. Awareness about the importance of Environment
- ii. Monitoring
- iii. Conservation
- iv. Sustainable Development

V- **Environmental Hazards in Arunachal Pradesh**

- i. Deforestation
- ii. Landslides
- iii. Flood
- iv. Earthquake
- **v.** Cloud burst

05/7/2021
संयुक्त कुलसचिव (शैक्षणिक एवं सम्मेलन)
राजीव गांधी विश्वविद्यालय
Jt. Registrar (Acad. & Conf.)
Rajiv Gandhi University
Rono Hills, Doimukh (A.P.)

Reference:

1. Agarwal, K.C. 2001 Environmental Biology, Nidi Publ. Ltd. Bikaner.
2. Bharucha Erach, The Biodiversity of India, Mapin Publishing Pvt. Ltd., Ahmedabad – 380 013, India, Email:mapin@icenet.net (R)
3. Brunner R.C., 1989, Hazardous Waste Incineration, McGraw Hill Inc. 480p
4. Clark R.S., Marine Pollution, Clanderson Press Oxford (TB)
5. Cunningham, W.P. Cooper, T.H. Gorhani, E & Hepworth, M.T. 2001, Environmental Encyclopedia, Jaico Publ. House, Mumabai, 1196p
6. De A.K., Environmental Chemistry, Wiley Eastern Ltd.
7. Down to Earth, Centre for Science and Environment (R)
8. Gleick, H.P. 1993. Water in crisis, Pacific Institute for Studies in Dev., Environment & Security. Stockholm Env. Institute Oxford Univ. Press. 473p
9. Hawkins R.E., Encyclopedia of Indian Natural History, Bombay Natural History Society, Bombay (R)
10. Heywood, V.H & Waston, R.T. 1995. Global Biodiversity Assessment. Cambridge Univ. Press 1140p.
11. Jadhav, H & Bhosale, V.M. 1995. Environmental Protection and Laws. Himalaya Pub. House, Delhi 284 p.
12. Mckinney, M.L. & School, R.M. 1996. Environmental Science systems & Solutions, Web enhanced edition. 639p.
13. Mhaskar A.K., Matter Hazardous, Techno-Science Publication (TB)
14. Miller T.G. Jr. Environmental Science, Wadsworth Publishing Co. (TB)
15. Odum, E.P. 1971. Fundamentals of Ecology. W.B. Saunders Co. USA, 574p
16. Rao M N. & Datta, A.K. 1987. Waste Water treatment. Oxford & IBH Publ. Co. Pvt. Ltd. 345p.
17. Sharma B.K., 2001. Environmental Chemistry. Geol Publ. House, Meerut
18. Survey of the Environment, The Hindu (M)
19. Townsend C., Harper J, and Michael Begon, Essentials of Ecology, Blackwell Science (TB)
20. Trivedi R.K., Handbook of Environmental Laws, Rules Guidelines, Compliances and Stadards, Vol I and II, Enviro Media (R)
21. Trivedi R. K. and P.K. Goel, Introduction to air pollution, Techno-Science Publication (TB)
22. Wanger K.D., 1998 Environmental Management. W.B. Saunders Co. Philadelphia, USA 499p

(M) Magazine

(R) Reference (TB) Textbook

05/7/2021

संयुक्त कुलसचिव (शैक्षणिक एवं सम्मेलन)
राजीव गांधी विश्वविद्यालय
Jt. Registrar (Acad. & Conf.)
Rajiv Gandhi University
Rono Hills, Doimukh (A.P.)

हिंदी कौशल – संवर्धन ऐच्छिक पाठयक्रम (HSEC)

इस पाठ्यक्रम के अंतर्गत 02 (दो) पेपर विकल्प के रूप में रखे गए हैं, जिनमें से विद्यार्थियों को तृतीय सत्र में पत्र – 1 तथा चतुर्थ सत्र में पत्र - 2 पढ़ने होंगे।

तृतीय सत्र

पत्र -1. लेखन कौशल

चतुर्थ सत्र

पत्र -2 . कार्यालयी हिंदी

05/7/2021

संयुक्त कुलसचिव (शैक्षणिक एवं सम्मेलन)
राजीव गांधी विश्वविद्यालय
Jt. Registrar (Acad. & Conf.)
Rajiv Gandhi University
Rono Hills, Doimukh (A.P.)

खंड - क

तृतीय सत्र

पत्र – HIN-S-214

लेखन कौशल

व्याख्यान	: 4 प्रति सप्ताह
ट्यूटोरियल	: 2 प्रति सप्ताह
क्रेडिट	: 4
पूर्णांक	: 100 अंक
अभ्यन्तर	: 20 अंक
सत्रांत परीक्षा/बाह्य	: 80 अंक

उद्देश्य : विद्यार्थियों में भावों और विचारों को अभिव्यक्त करने की क्षमता विकसित हो सकेगी। व्याकरण की दृष्टि से वे सही वाक्य लिख सकेंगे। विद्यार्थी लेखन कला सीख सकेंगे।

इकाई- 1 : लेखन कौशल : स्वरूप एवं सिद्धांत, लेखन कौशल का महत्व एवं विशेषताएँ।

व्याख्यान – 10

इकाई- 2: लेखन के विविध रूप : मौखिक-लिखित, गद्य-पद्य, नाटक-एकांकी, समाचार, पत्र लेखन।

व्याख्यान – 10

इकाई- 3: लेखन कौशल: भाषा प्रयोग, शब्द चयन, व्याकरणिक कोटियाँ, रचनात्मक लेखन के लिए आवश्यक गुण।

व्याख्यान – 10

इकाई- 4 : लेखन प्रशिक्षण : विविध साहित्यिक विधाओं की आधारभूत संरचनाओं का व्यावहारिक पक्ष, विभिन्न विधाओं में लेखन का अभ्यास।

व्याख्यान – 10

उपलब्धियां - इस पत्र द्वारा विद्यार्थी अपने भावों को विचार में बरतना तथा उसे लेखन के बहुविध रूपों में प्रस्तुत करना जान पाए। इस पत्र द्वारा विद्यार्थियों को हिन्दी लेखन के महत्त्वपूर्ण पक्षों से अवगत कराया गया तथा हिन्दी लेखन सम्बन्धी व्यावहारिक अभ्यास कराए गए। इस पत्र द्वारा विद्यार्थी व्याकरणिक रूप से शुद्ध तथा अच्छी हिन्दी लेखन में कुशलता प्राप्त करने में सफल हुए।

05/7/2021

संयुक्त कुलसचिव (शैक्षणिक एवं सम्मेलन)
राजीव गांधी विश्वविद्यालय
Jt. Registrar (Acad. & Conf.)
Rajiv Gandhi University
Rono Hills, Doimukh (A.P.)

निर्देश:

1. इस पत्र की प्रत्येक इकाई से 15-15 अंकों का एक-एक दीर्घउत्तरीय प्रश्न पूछा जायेगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए विकल्प भी होंगे । 15x4= 60
2. प्रत्येक इकाई से एक-एक टिप्पणी पूछी जायेगी, जिनके विकल्प भी होंगे। 5x4= 20

सहायक ग्रंथ :

1. रचनात्मक लेखन : सं. रमेश गौतम
1. हिंदी वाक्य विन्यास : सुधा कश्यप
2. संचार भाषा हिंदी : सूर्यप्रसाद दीक्षित
3. लेखन कला और रचना कौशल : परिकल्पना प्रकाशन

05/7/2021

संयुक्त कुलसचिव (शैक्षणिक एवं सम्मेलन)
राजीव गांधी विश्वविद्यालय
Jt. Registrar (Acad. & Conf.)
Rajiv Gandhi University
Rono Hills, Doimukh (A.P.)

खंड – ख

चतुर्थ सत्र

पत्र – HIN-S-224

कायार्लयी हिंदी

व्याख्यान	: 4 प्रति सप्ताह
ट्यूटोरियल	: 2 प्रति सप्ताह
क्रेडिट	: 4
पूर्णांक	: 100 अंक
अभ्यन्तर	: 20 अंक
सत्रांत परीक्षा/बाह्य	: 80 अंक

उद्देश्य : छात्र कार्यालयी हिंदी के स्वरूप से परिचित होकर कार्यालय में हिंदी के प्रयोग में सक्षम हो सकेंगे। ज्ञान-विज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों में प्रयुक्त होने वाली पारिभाषिक शब्दावली का ज्ञान उनके हिंदी कौशल संवर्द्धन में सहायक होगा।

इकाई – 1: **कार्यालयी हिंदी का स्वरूप, उद्देश्य तथा क्षेत्र**

अभिप्राय और उद्देश्य, कार्यालयी हिंदी का क्षेत्र, सामान्य हिंदी तथा कार्यालयी हिंदी : संबंध तथा अंतर , कार्यालयी हिंदी की स्थिति और संभावनाएं। **व्याख्यान – 10**

इकाई- 2 : **कार्यालयी हिंदी की शब्दावली**

कार्यालयी हिंदी की पारिभाषिक शब्दावली, पदनाम तथा अनुभाग के नाम, मुख्य कार्यालय, क्षेत्रीय कार्यालय और अन्य प्रशासनिक अधिकारियों के लिए प्रयुक्त होने वाले संबोधन, निर्देश, धारा 3/3 आदि।

व्याख्यान – 10

इकाई- 3 : **कार्यालयी पत्राचार के विविध प्रकार**

सामान्य परिचय, कार्यालय से निर्गत पत्र : प्रेस विज्ञप्ति, ज्ञापन, परिपत्र, अनुस्मारक, पृष्ठांकन, आदेश, अधिसूचना, सूचनाएं, निविदा आदि। **व्याख्यान – 10**

इकाई- 4 : **टिप्पण, प्रारूपण, पल्लवन और संक्षेपण**

टिप्पण का स्वरूप: विशेषताएं और भाषा शैली, प्रारूपण के प्रकार, भाषा शैली, प्रारूपण की विधि, पल्लवन: स्वरूप एवं विशेषताएँ, संक्षेपण के प्रकार: विशेषताएं और संक्षेपण की विधि।

व्याख्यान – 10

05/7/2021

संयुक्त कुलसचिव (शैक्षणिक एवं सम्मेलन)
राजीव गांधी विश्वविद्यालय
Jt. Registrar (Acad. & Conf.)
Rajiv Gandhi University
Rono Hills, Doimukh (A.P.)

उपलब्धियां - इस पत्र द्वारा विद्यार्थियों को राजभाषा हिन्दी के कार्यालयी लेखन से जुड़े विभिन्न पक्षों एवं पहलुओं को जानने-समझने का मौका मिला तथा वे सरकारी कामकाज के विभिन्न तौर-तरीकों से भली-भाँति अवगत हो सके। कार्यालयी लेखन के अन्तर्गत सरकारी पत्राचार के अलावे कार्यालयों में हिन्दी भाषा के बुनियादी प्रयोग एवं तद्नुकूल भाषा प्रयोग की विविध शब्दावलियों को जानने-समझने में उन्हें मदद मिली। इस पत्र द्वारा विद्यार्थी सरकारी-सांस्थानिक कामकाज के संरचित व प्रयोजनमूलक हिन्दी आधारित तौर-तरीकों को जानकर इस क्षेत्र में पर्याप्त कुशलता एवं दक्षता हासिल करने में सफल हो सके।

निर्देशः

1. इस पत्र की प्रत्येक इकाई से 15-15 अंकों का एक-एक दीर्घउत्तरीय प्रश्न पूछा जायेगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए विकल्प भी होंगे। 15x4= 60
2. प्रत्येक इकाई से एक-एक टिप्पणी पूछी जायेगी, जिनके विकल्प भी होंगे। 5x4= 20

सहायक ग्रंथ-

1. प्रयोजनमूलक भाषा और कार्यालयी हिंदी : कृष्ण कुमार गोस्वामी
2. प्रयोजनमूलक हिंदी की नई भूमिका : कैलाशनाथ पाण्डेय
3. प्रयोजनमूलक हिंदी की नई भूमिका : कैलाशनाथ पाण्डेय
4. प्रयोजनमूलक हिन्दी : विनोद गोदरे
5. अरुणाचल प्रदेश में हिन्दी-अध्ययन के विभिन्न आयाम : डॉ. श्याम शंकर सिंह
6. प्रयोजनमूलक हिन्दी : डॉ. राजनाथ भट्ट
7. प्रयोजनमूलक हिन्दी : रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव
8. प्रालेखन प्रारूप : शिवनारायण चतुर्वेदी

05/7/2021

संयुक्त कुलसचिव (शैक्षणिक एवं सम्मेलन)
राजीव गांधी विश्वविद्यालय
Jt. Registrar (Acad. & Conf.)
Rajiv Gandhi University
Rono Hills, Doimukh (A.P.)

Discipline Specific Elective (DSE)

इस पाठ्यक्रम के अंतर्गत पंचम एवं षष्ठ सत्र के दोनों खंडों में 02-02 (दो-दो) पेपर विकल्प के रूप में रखे गए हैं, जिनमें से विद्यार्थियों को पंचम सत्र में 02 (दो) पत्रों HIN- D- 313 से एक एवं HIN-D- 314 से एक तथा षष्ठ सत्र में 02 (दो) पत्रों HIN- D- 323 से एक एवं HIN-D- 324 से एक पढ़ने होंगे।

पंचम सत्र –

HIN- D- 313 (क) : लोक साहित्य

अथवा

HIN-D- 313 (ख) : हिंदी संत साहित्य

HIN-D- 314 (क) : प्रवासी साहित्य

अथवा

HIN-D-314 (ख) : छायावाद

षष्ठ सत्र –

HIN-D- 323 (क) : भारतीय साहित्य

अथवा

HIN-D- 323 (ख) : प्रेमचन्द

HIN-D- 324 (क) : राष्ट्रीय चेतना की कविता

अथवा

HIN-D- 324 (ख) : तुलसीदास

05/7/2021

संयुक्त कुलसचिव (शैक्षणिक एवं सम्मेलन)
राजीव गांधी विश्वविद्यालय
Jt. Registrar (Acad. & Conf.)
Rajiv Gandhi University
Rono Hills, Doimukh (A.P.)

पंचम सत्र

पत्र – HIN-D- 313 (क)

लोक साहित्य

व्याख्यान	: 4 प्रति सप्ताह
ट्यूटोरियल	: 2 प्रति सप्ताह
क्रेडिट	: 4 +2 = 6
पूर्णांक	: 100 अंक
अभ्यन्तर	: 20 अंक
सत्रांत परीक्षा/बाह्य	: 80 अंक

उद्देश्य :

विद्यार्थी वर्तमान वैश्वीकरण के युग में अपने अंचल विशेष के प्रभावी रूप से लेकर वैश्विक संदर्भ से जुड़ सकेंगे। विद्यार्थियों को लोक साहित्य की भाव गंभीरता,सांस्कृतिक रूप और सहज अभिव्यक्ति का परिचय प्राप्त हो सकेगा।

इकाई – 1: लोक साहित्य : परिभाषा और स्वरूप ; लोक साहित्य के लोक तत्व; लोककथा: प्रकार एवं विशेषताएँ; लोकसुभाषित : परिचय एवं विशेषताएँ। व्याख्यान- 12

इकाई- 2 : लोकगाथा एवं लोकगीत : लोकगाथा का स्वरूप, प्रकार और महत्व; लोक गीत का स्वरूप : प्रकार एवं विशेषताएँ ; लोकगाथा एवं लोकगीत में अंतर। व्याख्यान- 12

इकाई- 3 : लोक नाट्य : अवधारणा, स्वरूप और परम्परा ; लोक नाट्य के विविध रूप - रामलीला, रासलीला, नृत्य नाटिका, अंगिका, बिदेसिया, नौटंकी तथा यक्षगान। व्याख्यान- 12

इकाई- 4 : अरुणाचल प्रदेश का लोक साहित्य : अरुणाचली लोक साहित्य का सामान्य परिचय, अरुणाचली लोक साहित्य के विविध रूप तथा उनके उदहारण, अरुणाचली लोक साहित्य का वैशिष्ट्य।

व्याख्यान- 12

उपलब्धियां - इस पत्र के अध्ययनोपरांत छात्र लोक साहित्य के सैद्धांतिक पक्ष से अवगत हो चुके होंगे और लोक साहित्य के विविध प्रकार एवं अरुणाचल प्रदेश के लोक साहित्य से परिचित हो चुके होंगे।

निर्देशः

1. इस पत्र की प्रत्येक इकाई से 15-15 अंकों का एक-एक दीर्घउत्तरीय प्रश्न पूछा जायेगा। प्रत्येक प्रश्न का विकल्प भी रहेगा। 15x4= 60
2. प्रत्येक इकाई से एक-एक टिप्पणी पूछी जायेगी, जिनके विकल्प भी होंगे। 5x4= 20

कार्य-सम्पादन- पद्धति: व्याख्यान, विचार-विमर्श, समूह-चर्चा, सामग्री-समीक्षा और प्रस्तुतीकरण आदि।

05/7/2021
संयुक्त कुलसचिव (शैक्षणिक एवं सम्मेलन)
राजीव गांधी विश्वविद्यालय
Jt. Registrar (Acad. & Conf.)
Rajiv Gandhi University
Rono Hills, Doimukh (A.P.)

सहायक ग्रंथ -

1. भारत के लोक नाट्य : शिवकुमार माथुर
2. लोकधर्मी नाट्य परंपरा : श्याम परमार
3. लोक साहित्य की भूमिका : कृष्णदेव उपाध्याय
4. लोक साहित्य की भूमिका : रामनरेश त्रिपाठी
5. लोक संस्कृति : वसन्त निरगुणे
6. लोक साहित्य का अवगमन : त्रिलोचन पाण्डेय
7. लोकगीत की सत्ता : सुरेश गौतम
8. भारतीय लोक साहित्य की रूपरेखा : दुर्गाभागवत
9. लोकजीवन के कलात्मक आयाम : कालूराम परिहार
10. लोक साहित्य सिद्धांत और प्रयोग : श्रीराम शर्मा
11. हिंदी साहित्य का वृहद इतिहास : कृष्णदेव उपाध्याय
12. लोक साहित्य विज्ञान : डॉ सत्येंद्र

05/7/2021

संयुक्त कुलसचिव (शैक्षणिक एवं सम्मेलन)
राजीव गांधी विश्वविद्यालय
Jt. Registrar (Acad. & Conf.)
Rajiv Gandhi University
Rono Hills, Doimukh (A.P.)

पंचम सत्र

पत्र – HIN-D- 313 (ख)

हिंदी संत काव्य

व्याख्यान	: 4 प्रति सप्ताह
ट्यूटोरियल	: 2 प्रति सप्ताह
क्रेडिट	: 4 +2 = 6
पूर्णांक	: 100 अंक
अभ्यन्तर	: 20 अंक
सत्रांत परीक्षा/बाह्य	: 80 अंक

उद्देश्य :

क. विद्यार्थी इस पत्र में कबीर के व्यक्तित्व और कृतित्व के विविध पक्षों से परिचित होंगे।
ख. रैदास के कृतित्व के विविध पक्षों से परिचित हो सकेंगे।
ग. दादू दयाल के काव्य वैशिष्टय की जानकारी प्राप्त करेंगे।
घ. रज्जब की कृतियों की विशेषताओं से अवगत हो सकेंगे।

पाठ्य पुस्तक : संत काव्य – संपादक आचार्य परशुराम चतुर्वेदी, किताब महल, इलाहाबाद

इकाई : 1 कबीर- पद – 1, 2, 10
साखी – 1 से 10 तक

इकाई : 2 रैदास- पद – 2, 5, 6, 14
साखी – 1 से 3 तक

इकाई : 3 मलूकदास – पद – 1, 2, 5
साखी – 1 से 10 तक

इकाई : 4 दयाबाई – साखी – 1 से 12

आलोचना बिंदु – सन्त साहित्य की विशेषताएं, पठित संतो की काव्यगत विशेषताएं, पठित संतों की भक्ति भावना तथा पठित संतों का समाज दर्शन।

उपलब्धियां : इस पत्र का पढ़ने के उपरांत छात्र हिन्दी सन्त काव्य के प्रमुख सन्त कवियों-कबीर, रैदास, दादूदयाल और रज्जब की रचनाओं की विशेषताओं से अवगत हो चुके होंगे। छात्र इनकी प्रासंगिकता से परिचित हो चुके होंगे।

निर्देश:

1. इस पत्र की प्रत्येक इकाई से 12-12 अंकों का एक-एक दीर्घउत्तरीय प्रश्न पूछा जायेगा। प्रत्येक प्रश्न का विकल्प भी रहेगा। 12x4= 48
2. प्रत्येक इकाई से एक-एक व्याख्यांश पूछी जायेगी, जिनके विकल्प भी होंगे। 8x4 = 32

05/7/2021
संयुक्त कुलसचिव (शैक्षणिक एवं सम्मेलन)
राजीव गांधी विश्वविद्यालय
Jt. Registrar (Acad. & Conf.)
Rajiv Gandhi University
Rono Hills, Doimukh (A.P.)

कार्य-सम्पादन- पद्धति: व्याख्यान, विचार-विमर्श, समूह-चर्चा, सामग्री-समीक्षा और प्रस्तुतीकरण आदि।

सहायक ग्रंथ :

1. नाथ सम्प्रदाय - आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, नैवेद्य निकेतन, वाराणसी।
2. हिन्दी साहित्य में निर्गुण सम्प्रदाय – डॉ. पीताम्बर दत्त बड़थ्वाल।
3. उत्तर भारत की संत परंपरा – परशुराम चतुर्वेदी, किताब महल, प्रयाग।
4. मध्ययुगीन निर्गुण चेतना – डॉ. धर्मपाल मैनी, लोकभारती, इलाहाबाद।
5. संतों के धार्मिक विश्वास - डॉ. धर्मपाल मैनी, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।
6. रैदास वाणी – डॉ. शुकदेव सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
7. कबीर - हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन।
8. दादू पंथ : साहित्य और समाज दर्शन - डॉ. ओकेन लेगो, यश पब्लिकेशन, दिल्ली।
9. दादू दयाल – परशुराम चतुर्वेदी
10. संत साहित्य की समझ - नन्द किशोर पाण्डेय, यश पब्लिकेशन, दिल्ली।
11. सन्त रज्जब - नन्द किशोर पाण्डेय, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
12. रज्जब - नन्द किशोर पाण्डेय, साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली।
13. जयदेव - आनन्द कुशवाहा, साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली
14. जायसी - परमानन्द श्रीवास्तव, साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली
15. तुकाराम - भालचन्द्र नेमाडे, साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली

05/7/2021
संयुक्त कुलसचिव (शैक्षणिक एवं सम्मेलन)
राजीव गांधी विश्वविद्यालय
Jt. Registrar (Acad. & Conf.)
Rajiv Gandhi University
Rono Hills, Doimukh (A.P.)

व्याख्यान	: 4 प्रति सप्ताह
ट्यूटोरियल	: 2 प्रति सप्ताह
क्रेडिट	: 4 +2 = 6
पूर्णांक	: 100 अंक
अभ्यन्तर	: 20 अंक
सत्रांत परीक्षा/बाह्य	: 80 अंक

पंचम सत्र
पत्र – HIN-D- 314 (क)
प्रवासी साहित्य

उद्देश्य : विद्यार्थियों को समृद्ध करने में विदेश में रहने वाले भारतीय प्रवासी साहित्यकारों की भूमका का ज्ञान प्राप्त होगा। विद्यार्थी प्रवासी साहित्य से भली भाँति परिचित हो सकेंगे।

इकाई – 1 :

प्रवासी हिन्दी साहित्य का इतिहास; प्रवासी साहित्य अवधारणा और प्रकार; प्रवासी हिंदी साहित्यकारों का हिन्दी के विकास में योगदान (उपन्यास,कहानी तथा कविता के विशेष सन्दर्भ में)।

व्याख्यान- 12

इकाई- 2 : कविता :

- माँ जब कुछ कहती मैं चुप रह सुनता : रमा तक्षक, आईसेक्ट पब्लिकेशन
- थेम्स नदी के किनारे : तेजेंद्र शर्मा, जे वी पी पब्लिकेशन
- सहयात्री हैं हम : जय वर्मा, अयन प्रकाशन
- रेत का लिखा : दिव्या माथुर, नटराज प्रकाशन
- जरा रौशनी में जाऊँ : भावना कुँवर, अयन प्रकाशन
- क्या तुमको भी ऐसा लगा : शैलजा सक्सेना, अयन प्रकाशन

आलोचना: कविताओं की काव्यगत विशाशताएं, प्रतिपाद्य, रचनाकारों का सामान्य परिचय एवं उनकी काव्य-कला। व्याख्यान- 12

इकाई- 3 : उपन्यास :

- लौटना : सुषम बेदी, पराग प्रकाशन, नई दिल्ली

आलोचना : सुषम बेदी की उपन्यास कला, पठित उपन्यास का सारांश, उपन्यास की समीक्षा, प्रतिपाद्य। व्याख्यान- 12

इकाई- 4 : कहानियां :

- तेजेन्द्र शर्मा : कोख का किराया
- जकिया जुबेरी : सांकल

05/7/2021
संयुक्त कुलसचिव (शैक्षणिक एवं सम्मेलन)
राजीव गांधी विश्वविद्यालय
Jt. Registrar (Acad. & Conf.)
Rajiv Gandhi University
Rono Hills, Doimukh (A.P.)

- जय वर्मा : गुलमोहर
- सुधा ओम ढींगरा : कौन सी जमीन अपनी
- उषा राजे सक्सेना : ऑन्टोप्रेन्योर
- पूर्णिमा बर्मन : यों ही चलते हुए

आलोचना : पठित कहानियों का सारांश, पठित कहानियों की समीक्षा, कहानीकारों की कहानी कला। व्याख्यान- 12

उपलब्धियां - इस पत्र के अध्ययनोपरांत छात्र प्रवासी साहित्य से परिचित हो चुके होंगे और प्रवासी हिन्दी कविता, प्रवासी हिन्दी उपन्यास तथा प्रवासी हिन्दी कहानी की प्रमुख रचनाओं का अनुशीलन कर चुके होंगे।

निर्देशः

1. इस पत्र की प्रत्येक इकाई से 14-14 अंकों का एक-एक दीर्घउत्तरीय प्रश्न पूछा जायेगा। प्रत्येक प्रश्न का विकल्प भी रहेगा। 14x4= 56
2. इकाई 2, 3 तथा इकाई 4 से एक-एक व्याख्यांश पूछी जायेगी, जिनके विकल्प भी होंगे। 8x3 = 24

कार्य-सम्पादन- पद्धति : व्याख्यान, विचार-विमर्श, समूह-चर्चा, सामग्री-समीक्षा और प्रस्तुतीकरण आदि।

05/7/2021
संयुक्त कुलसचिव (शैक्षणिक एवं सम्मेलन)
राजीव गांधी विश्वविद्यालय
Jt. Registrar (Acad. & Conf.)
Rajiv Gandhi University
Rono Hills, Doimukh (A.P.)

सहायक ग्रंथ-

1. प्रवासी भारतीय हिंदी साहित्य : सं. विमलेश कांति वर्मा

2. प्रवासी हिंदी साहित्य : दशा और दिशा, प्रो. प्रदीप श्रीधर

3. प्रवासी हिंदी साहित्य: विविध आयाम : डॉ. रमा

4. हिंदी का प्रवासी साहित्य :डॉ. कमलकिशोर गोयनका

5. प्रवासी लेखन : नई जमीन, नया आसमान : अनिल जोशी

6. प्रवासी भारतीयों में हिंदी की कहानियाँ : डॉ. सुरेंद्र गंभीर

7. प्रवासी श्रम इतिहास : धनंजय सिंह

8. प्रवास में : डॉ. उषाराजे सक्सेना

9. प्रवासी साहित्यकार मूल्यांकन, श्रृंखला-1 : तेजेंद्र शर्मा, सं. डॉ. रमा, महेंद्र प्रजापति

10. प्रवासी साहित्य: भाव और विचार : संध्या गर्ग

11. हिंदी प्रवासी साहित्य (गद्य साहित्य) : डॉ. कमलकिशोर गोयनका

12. प्रवासी की कलम से : बादल सरकार

05/7/2021

संयुक्त कुलसचिव (शैक्षणिक एवं सम्मेलन)
राजीव गांधी विश्वविद्यालय
Jt. Registrar (Acad. & Conf.)
Rajiv Gandhi University
Rono Hills, Doimukh (A.P.)

व्याख्यान	: 4 प्रति सप्ताह
ट्यूटोरियल	: 2 प्रति सप्ताह
क्रेडिट	: 4 +2 = 6
पूर्णांक	: 100 अंक
अभ्यन्तर	: 20 अंक
सत्रांत परीक्षा/बाह्य	: 80 अंक

पंचम सत्र

पत्र – HIN-D- 314 (ख)

छायावाद

उद्देश्य : यह प्रश्नपत्र पंचम सत्र में हिन्दी प्रतिष्ठा के परीक्षार्थियों के लिये है। चार इकाइयों में विभक्त यह पत्र छायावाद से सम्बन्धित है। इस प्रश्नपत्र में विद्यार्थियों से छायावाद के प्रतिनिधि कवियों- जयशंकर प्रसाद, निराला, सुमित्रानंदन पन्त और महादेवी वर्मा के काव्य का अध्ययन अपेक्षित है।

इकाईः 1 **जयशंकर प्रसादः**

पाठ्यांश- 'कामायनी' का श्रद्धा सर्ग

इकाईः 2 **सूर्यकान्त त्रिपाठी निरालाः**

पाठ्य-पुस्तकः राग-विराग; सम्पा.- रामविलास शर्मा

पाठ्य कविताएँ- सखि, बसन्त आया, तोड़ती पत्थर।

इकाईः 3 **सुमित्रानन्दन पन्तः**

पाठ्य -पुस्तकः पल्लव; प्रकाशक - राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।

पाठ्य कविताएँ- प्रथम रश्मि, पर्वत प्रदेश में पावस, पतझर ।

इकाई : 4 **महादेवी वर्माः**

पाठ्य-पुस्तकः परिक्रमा; प्रकाशन- साहित्य भवन प्रा. लिमि; रोड इलाहाबाद।

पाठ्य रचनाएँ- विरह का जलजात जीवन; क्या पूजा क्या अर्चन रे ! ; यह मंदिर का दीप।

निर्देशः

1. इस पत्र की प्रत्येक इकाई से 12-12 अंकों का एक-एक दीर्घउत्तरीय प्रश्न पूछा जायेगा। प्रत्येक प्रश्न का विकल्प भी रहेगा। 12x4= 48
2. चारों इकाईयों से एक-एक व्याख्यांश पूछी जायेगी, जिनके विकल्प भी होंगे। 8x4 = 32

05/7/2021

संयुक्त कुलसचिव (शैक्षणिक एवं सम्मेलन)
राजीव गाँधी विश्वविद्यालय
Jt. Registrar (Acad. & Conf.)
Rajiv Gandhi University
Rono Hills, Doimukh (A.P.)

कार्य-सम्पादन- पद्धति : व्याख्यान, विचार-विमर्श, समूह-चर्चा, सामग्री-समीक्षा और प्रस्तुतीकरण आदि।

उपलब्धियां - इस पत्र का अध्ययन करने के उपरांत छात्र छायावाद के कवियों- जयशंकर प्रसाद, सूर्यकांत त्रिपाठी निराला, सुमित्रानंदन पंत और महादेवी वर्मा की प्रतिनिधि कविताओं का अनुशीलन कर चुके होंगे। छात्र इन कवियों की काव्यगत विशेषताओं से भी परिचित हो चुके होंगे।

संदर्भ ग्रन्थः

1. हिन्दी साहित्यः बीसवीं सदी- आ. नन्ददुलारे बाजपेयी
2. जयशंकर प्रसाद- नन्दुलारे बाजपेयी
3. कामायनी का पुनर्मूल्यांकन- रामस्वरूप चतुर्वेदी
4. निराला की साहित्य साधनाः भाग – 1,2,3 – डॉ. रामविलास शर्मा
5. निरालाः एक आत्महंता आस्था- दूधनाथ सिंह
6. छायावाद- डॉ. नामवर सिंह
7. महादेवी का काव्य-सौष्ठव- कुमार विमल
8. महादेवी का नया मूल्यांकन- डॉ. गणपतिचन्द्र गुप्त
9. कवि सुमित्रानन्दन पन्त- नन्ददुलारे बाजपेयी
10. पन्त की दार्शनिक चेतना- डॉ. सुरेशचन्द्र गुप्त
11. त्रयी (प्रसाद, निराला, पन्त) – डॉ. जानकी वल्लभ शास्त्री

05/7/2021

संयुक्त कुलसचिव (शैक्षणिक एवं सम्मेलन)
राजीव गांधी विश्वविद्यालय
Jt. Registrar (Acad. & Conf.)
Rajiv Gandhi University
Rono Hills, Doimukh (A.P.)

षष्ठ सत्र

पत्र – HIN-D- 323 (क)

भारतीय साहित्य

व्याख्यान	: 4 प्रति सप्ताह
ट्यूटोरियल	: 2 प्रति सप्ताह
क्रेडिट	: 4 +2 = 6
पूर्णांक	: 100 अंक
अभ्यन्तर	: 20 अंक
सत्रांत परीक्षा/बाह्य	: 80 अंक

उद्देश्य : प्रत्येक साहित्य की अपनी विशेषताएं होती हैं। इस दृष्टि से भारत की विभिन्न भाषाआ का अध्ययन कर सकेंगे। भारत बहुभाषा भाषी देश है किंतु भारत की विभिन्न संस्कृतियों में एक प्रकार की सूत्रबद्धता है। इस प्रश्नपत्र के अध्ययन से विद्यार्थी उससे परिचित हो सकेंगे।

इकाई- 1 : भारतीय साहित्य की परम्परा; भारतीय साहित्य का स्वरूप; भारतीय साहित्य अध्ययन की समस्याएं; भारतीय साहित्य में मानव मूल्य; भारतीय साहित्य में संस्कृति में एकतामूलक तत्व; भारतीय साहित्य में अभिव्यक्त सामाजिक-सांस्कृतिक मूल्य; भारतीय साहित्य में आज के भारत का बिंब ।

इकाई- 2 : **(क) उपन्यास:**

पाठ्य उपन्यास : कन्या का मूल्य : लुम्मेर दाई, एल.डी पब्लिकेशन, ईटानगर
(मूल असमिया से अनुवाद- मुनीन्द्र मिश्र)
आलोचना: उपन्यास की समीक्षा, चरित्र-चित्रण, सारांश, लेखक का परिचय। व्याख्यान- 12

(ख) कहानी:

- असमिया - जल कुंवरी : लक्ष्मीकांत बेजबरुआ
  (बेजबरुआ की चुनी हुई रचनाएँ – नगेन सैकिया, अनु- नवारुण वर्मा,नेशनल बुक ट्रस्ट)
- मलयालम - खून का रिश्ता : तकषि शिवशंकर पिल्लै
- तेलुगु – अयोनि (तेलुगु की प्रतिनिधि कहानियाँ, साहित्य अकादेमी) : वोल्गा
- बांग्ला - काबुली वाला : रवीन्द्रनाथ टैगोर
- हिन्दी - चुनौती (साक्षी है पीपल, यश पब्लिकेशन) : जोराम यालम नाबाम
- उई मोक (न्यीशी लोक कथा : संकलन एवं हिंदी अनुवाद) : डॉ. जमुना बीनी तादर

आलोचना: पठित कहानियों की समीक्षा, सारांश, लेखकों की कहानी कला। व्याख्यान- 12

इकाई- 3 : नाटक :

हयवदन : गिरीश कर्नाड

आलोचना: गिरीश कर्नाड की नाट्य-कला, हयवदन की समीक्षा, पात्रों का चरित्र-चित्रण।

05/7/2021
संयुक्त कुलसचिव (शैक्षणिक एवं सम्मेलन)
राजीव गांधी विश्वविद्यालय
Jt. Registrar (Acad. & Conf.)
Rajiv Gandhi University
Rono Hills, Doimukh (A.P.)

व्याख्यान- 12

इकाई- 4: कविता :

पाठ्य पुस्तक – आधुनिक भारतीय कविता; सम्पा. – अवधेश नारायण मिश्र, नन्दकिशोर पाण्डेय।

पाठ्य कविताएं :

क. असमिया	: कविता -		नीलमणि फूकन
ख. उड़िया	: धान कटाई -		सीताकांत महापात्रा
ग. बांग्ला	: जहाँ चित्त भय शून्य –		रवीन्द्र नाथ ठाकुर
घ. संस्कृत	: रसोई -		राधावल्लभ त्रिपाठी
ङ. संथाली	: बिटिया मुर्मू के लिए तीन कविताएँ- (एक)		निर्मला पुतुल
च. हिन्दी	: मेरी माँ जानती है (काव्य संग्रह : अक्षरों की विनती)-		तारो सिन्दिक

व्याख्यान- 12

उपलब्धियां - इस पत्र के अध्ययनोपरांत छात्र भारतीय साहित्य के विविध पक्षों का अनुशीलन कर चुके होंगे और भारतीय उपन्यास, भारतीय कहानी, भारतीय नाटक एवं भारतीय कविता की प्रमुख रचनाओं से अवगत हो चुके होंगे।

निर्देशः

1. इस पत्र की प्रत्येक इकाई से 14-14 अंकों का एक-एक दीर्घउत्तरीय प्रश्न पूछा जायेगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए विकल्प भी होंगे। 14x4= 56
2. इकाई 2, 3 तथा इकाई 4 से एक-एक व्याख्यांश पूछी जायेगी, जिनके विकल्प भी होंगे। 8 x3 = 24

कार्य-सम्पादन- पद्धति : व्याख्यान, विचार-विमर्श, समूह-चर्चा, सामग्री-समीक्षा और प्रस्तुतीकरण आदि।

सहायक ग्रंथ-

1. आज का भारतीय साहित्य, (अनू.) : प्रभाकर माचवे
2. भारतीय साहित्य : रामछबीला त्रिपाठी
3. भारतीय साहित्य : मूलचंद गौतम
4. भारतीय साहित्य अध्ययन की नई दिशाएँ : प्रदीप श्रीधर
5. भारतीय साहित्य का समेकित इतिहास : डॉ. नगेंद्र
6. भारतीय साहित्य की अवधारणा : राजेंद्र मिश्र
7. भारतीय साहित्य की पहचान : सं. सियाराम तिवारी
8. भारतीय साहित्य के इतिहास की समस्याएँ : रामविलास शर्मा
9. भारतीय साहित्य : सं. नगेंद्र
10. भारतीय साहित्य : भोला शंकर व्यास

05/7/2021

संयुक्त कुलसचिव (शैक्षणिक एवं सम्मेलन)
राजीव गांधी विश्वविद्यालय
Jt. Registrar (Acad. & Conf.)
Rajiv Gandhi University
Rono Hills, Doimukh (A.P.)

व्याख्यान	: 4 प्रति सप्ताह
ट्यूटोरियल	: 2 प्रति सप्ताह
क्रेडिट	: 4 +2 = 6
पूर्णांक	: 100 अंक
अभ्यन्तर	: 20 अंक
सत्रांत परीक्षा/बाह्य	: 80 अंक

षष्ठ सत्र

पत्र – HIN-D- 323 (ख)

प्रेमचन्द

उद्देश्य : यह प्रश्नपत्र षष्ठ सत्र में हिन्दी प्रतिष्ठा के परीक्षार्थियों के लिये है। चार इकाइयों में विभक्त यह पत्र प्रेमचन्द के विशष अध्ययन से सम्बन्धित है। इस प्रश्नपत्र में विद्यार्थियों से प्रेमचन्द के उपन्यासों, कहानियों और निबन्धों से सम्बन्धित विशिष्ठ ज्ञान अपेक्षित है।

इकाईः 1 उपन्यासः

पाठ्य उपन्यास- 'कर्मभूमि'

हिन्दी उपन्यास और प्रेमचन्द; चरित्र-चित्रण; स्वाधीनता आन्दोलन और कर्मभूमि; कर्मभूमि और किसान समस्या।

इकाईः 2 उपन्यासः

पाठ्य उपन्यासः गबन

चरित्र-चित्रण; शिल्प; नारी समस्या का व्यापक चित्रण।

इकाईः 3 कहानियाँ :

पाठ्य-पुस्तकः प्रतिनिधि कहानियाँ; प्रकाशक- राजकमल प्रकाशन , दिल्ली।

पाठ्य कहानियाँ- बड़े भाई साहब , नशा, नमक का दरोगा, शतरंज के खिलाड़ी और पंच परमेश्वर।

इकाईः 4 निबन्धः

पाठ्य पुस्तकः प्रेमचन्द के विचार (खण्ड-एक); सरस्वती प्रेस, इलाहावाद।

पाठ्य-निबन्ध- स्वराज्य से किसका अहित होगा; डण्डा; स्वराज्य संग्राम में किसकी विजय हो रही है; दमन की सीमा।

05/7/2021

संयुक्त कुलसचिव (शैक्षणिक एवं सम्मेलन)
राजीव गांधी विश्वविद्यालय
Jt. Registrar (Acad. & Conf.)
Rajiv Gandhi University
Rono Hills, Doimukh (A.P.)

उपलब्धियां : इस पत्र को पढ़ने के उपरान्त छात्र प्रेमचन्द्र के उपन्यासों-कर्मभूमि और गबन का आलोचनक अध्ययन कर चुके होंगे। छात्रों प्रेमचन्द की प्रतिनिधि कहानियों का अनुशीलन कर चुके होंगे और प्रेमचन्द के विचारों से भी अवगत हुए होंगे।

निर्देशः

1. इस पत्र की प्रत्येक इकाई से 12-12 अंकों का एक-एक दीर्घउत्तरीय प्रश्न पूछा जायेगा। प्रत्येक प्रश्न का विकल्प भी रहेगा। 12x4= 48
2. प्रत्येक इकाई से एक-एक व्याख्यांश पूछी जायेगी, जिनके विकल्प भी होंगे। 8x4 = 32

कार्य-सम्पादन- पद्धति : व्याख्यान, विचार-विमर्श, समूह-चर्चा, सामग्री-समीक्षा और प्रस्तुतीकरण आदि।

सहायक ग्रन्थः

1. प्रेमचन्द और उनका युग- डॉ. रामविलास शर्मा
2. प्रेमचन्दः जीवन और कृतित्व – हंसराज रहबर
3. प्रेमचन्द कोश- डॉ. कमलकिशोर गोयनका
4. कमल के सिपाही- अमृतराय
5. प्रेमचन्द- डॉ. गंगाप्रसाद विमल
6. प्रेमचन्द और यथार्थवाद- डॉ. नगेन्द्रप्रताप सिंह
7. हिन्दी की चर्चित कहानियाः पुनर्मूल्यांकन- डॉ. कुसुम वर्ष्णेय

05/7/2021
संयुक्त कुलसचिव (शैक्षणिक एवं सम्मेलन)
राजीव गांधी विश्वविद्यालय
Jt. Registrar (Acad. & Conf.)
Rajiv Gandhi University
Rono Hills, Doimukh (A.P.)

षष्ठ सत्र

पत्र – HIN-D- 324 (क)

राष्ट्रीय चेतना की कविता

व्याख्यान	: 4 प्रति सप्ताह
ट्यूटोरियल	: 2 प्रति सप्ताह
क्रेडिट	: 4 +2 = 6
पूर्णांक	: 100 अंक
अभ्यन्तर	: 20 अंक
सत्रांत परीक्षा/बाह्य	: 80 अंक

उद्देश्य : हिंदी साहित्य में एक लंबे समय से राष्ट्रीय चेतना की कविता सृजन होता रहा है। इस पत्र के माध्यम से गौरवपूर्ण साहित्य का अध्ययन संभव होगा।

इकाई – 1:

राष्ट्रीय चेतना : परिभाषा और स्वरूप, राष्ट्रीय चेतना की कविता का तात्विक विवेचन, राष्ट्रीय चेतना की कविता में देश प्रेम के विविध आयाम, हिंदी साहित्य के विविध युगों में राष्ट्रीय चेतना का विकास ।

व्याख्यान- 12

(निर्देश: इकाई 2, 3 तथा इकाई 4 के लिए आलोचना बिंदु: कवियों की काव्य-कला, कविताओं का अनुभूति पक्ष, काव्य-सौष्टव तथा उद्देश्य।)

इकाई – 2:	क. भारत वीरता -	भारतेंदु हरिश्चंद्र	
	ख. कर्मवीर –	अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध'	
	ग. नर हो ना निराश करो मन को –	मैथिलीशरण गुप्त	व्याख्यान- 12
इकाई- 3 :	क. झांसी की रानी –	सुभद्रा कुमारी चौहान	
	ख. वह देश कौन सा है –	रामनरेश त्रिपाठी	
	ग. मधुमय देश –	जयशंकर प्रसाद	व्याख्यान- 12
इकाई- 4:	क. पुष्प की अभिलाषा –	माखनलाल चतुर्वेदी	
	ख. हुंकार -	रामधारी सिंह 'दिनकर'	
	ग. उनको प्रणाम, निर्वासित -	नागार्जुन	व्याख्यान- 12

05/7/2021

संयुक्त कुलसचिव (शैक्षणिक एवं सम्मेलन)
राजीव गांधी विश्वविद्यालय
Jt. Registrar (Acad. & Conf.)
Rajiv Gandhi University
Rono Hills, Doimukh (A.P.)

उपलब्धियां - इस पत्र के अध्ययनोपरांत छात्र हिन्दी राष्ट्रीय चेतना की कविता के विविध पहलुओं से अवगत हो चुके होंगे और राष्ट्रीय चेतना की कविता लिखने वाले प्रतिनिधि कवियों की प्रमुख कविताओं का अनुशीलन कर लिया होगा।

निर्देशः

1. इस पत्र की प्रत्येक इकाई से 14-14 अंकों का एक-एक दीर्घउत्तरीय प्रश्न पूछा जायेगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए विकल्प भी होंगे। 14x4= 56
2. इकाई 2, 3 तथा इकाई 4 से एक-एक व्याख्यांश पूछी जायेगी, जिनके विकल्प भी होंगे। 8 x3 = 24

कार्य-सम्पादन- पद्धति: व्याख्यान, विचार-विमर्श, समूह-चर्चा, सामग्री-समीक्षा और प्रस्तुतीकरण आदि।

सहायक ग्रंथ-

1. अतीत के हंस : मैथिलीशरण गुप्त, प्रभाकर श्रोत्रिय
2. जयशंकर प्रसाद : नंद दुलारे वाजपेयी
3. भारतेंदु हरिश्चंद्र : रामविलास शर्मा
4. पंत, प्रसाद और मैथिलीशरण गुप्त: रामधारी सिंह दिनकर
5. हरिऔध और उनका साहित्य : मुकुंददेव शर्मा
6. रामनरेश त्रिपाठी : इंदरराज वैद 'अधीर'
7. राष्ट्रीय नवजागरण और साहित्य : वीरभारत तलवार
8. भारतेंदु हरिश्चन्द्र : मदन गोपाल
9. भारतेंदु हरिश्चन्द्र : ब्रजरत्न दस

05/7/2021
संयुक्त कुलसचिव (शैक्षणिक एवं सम्मेलन)
राजीव गांधी विश्वविद्यालय
Jt. Registrar (Acad. & Conf.)
Rajiv Gandhi University
Rono Hills, Doimukh (A.P.)

व्याख्यान	: 4 प्रति सप्ताह
ट्यूटोरियल	: 2 प्रति सप्ताह
क्रेडिट	: 4 +2 = 6
पूर्णांक	: 100 अंक
अभ्यन्तर	: 20 अंक
सत्रांत परीक्षा/बाह्य	: 80 अंक

षष्ठ सत्र

पत्र – HIN-D- 324 (ख)

तुलसीदास

उद्देश्य : इस पत्र का उद्देश्य विद्यार्थियों को मध्यकाल के श्रेष्ठ कवि तुलसीदास के साहित्यिक वैशिष्ट्य से परिचित कराना है। इसके अध्ययन से विद्यार्थी तुलसीदास के महत्व और उनके साहित्यिक अवदान को जानने के साथ ही तुलसी-काव्य के उन मूल्यों को भी जान-समझ सकेंगे जिनहोंने भारत की जनता को बहुत गहराई तक प्रभावित किया है।

इकाईः1 रामचरितमानस – गीता प्रेस, गोरखपुर

पाठ्य-अंश : अयोध्याकाण्ड; दोहा संख्या 191 से 205 तक।

आलोचना के बिंदु : राम-काव्य परम्परा और तुलसीदास; 'रामचरितमानस' का काव्य-सौन्दर्य; अयोध्याकाण्ड का सारांश; अयोध्याकाण्ड की विशेषताएं।

व्याख्यान -12

इकाईः2 रामचरितमानस – गीता प्रेस , गोरखपुर

पाठ्य-अंश : उत्तर काण्ड; दोहा संख्या 14 से 30 तक।

आलोचना के बिंदु : तुलसी का समन्वयवाद; तुलसीदास की काव्यगत विशेषताएं; 'रामचरितमानस' का महाकाव्य; उत्तरकाण्ड का प्रतिपाद्य।

व्याख्यान -12

इकाईः3 कवितावली; गीता प्रेस, गोरखपुर

पाठ्यांश - बाल रूप की झाँकी - 3 पद

वनगमन - 3 पद

उत्तर काण्ड - प्रारंभ से 10 पद

व्याख्यान -12

इकाईः4 विनयपत्रिका – गीता प्रेस, गोरखपुर

पाठ्यांश - पद संख्या - 95 से 110 तक

व्याख्यान 12

आलोचना के बिन्दु : तुलसीदास की भक्ति-भावना; तुलसीदास की दार्शनिक चेतना; 'विनयपत्रिका' की काव्य-सौष्ठव; 'विनयपत्रिका' का प्रतिपाद्य।

05/7/2021

संयुक्त कुलसचिव (शैक्षणिक एवं सम्मेलन)
राजीव गांधी विश्वविद्यालय
Jt. Registrar (Acad. & Conf.)
Rajiv Gandhi University
Rono Hills, Doimukh (A.P.)

उपलब्धियां – 1. इस पत्र के अध्ययन द्वारा विद्यार्थी हिन्दी के सर्वकालीन महान कवि तुलसीदास और उनके साहित्यिक प्रदेय को जान-समझ सकेंगे।

2. तुलसी-साहित्य के प्रभाव और वैशिष्ट्य से अवगत हो सकेंगे।

3. प्रबन्धात्मक काव्य-रचनाओं के अध्ययन की पद्धति और उनकी समीक्षा करने के कौशल से अवगत हो सकेंगे।

अंक विभाजन

निर्देशः

1. इस पत्र की प्रत्येक इकाई से 12-12 अंकों का एक-एक दीर्घउत्तरीय प्रश्न पूछा जायेगा। प्रत्येक प्रश्न का विकल्प भी रहेगा। 12x4= 48

2. प्रत्येक इकाई से एक-एक व्याख्यांश पूछी जायेगी, जिनके विकल्प भी होंगे । 8x4 = 32

कार्य-सम्पादन- पद्धति: व्याख्यान, विचार-विमर्श, समूह-चर्चा, सामग्री-समीक्षा और प्रस्तुतीकरण आदि ।

सहायक ग्रंथ :

1. गोस्वामी तुलसीदास - आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी।
2. मानस दर्शन - डॉ. श्रीकृष्णलाल, आनंद पुस्तक भवन, काशी।
3. तुलसीदास और उनका युग - डॉ. राजपति दीक्षित, ज्ञानमंडल, काशी।
4. रामकथा का विकास - कामिल बुल्के, हिन्दी परिषद्, प्रयाग।
5. लोकवादी तुलसीदास - डॉ. विश्वनाथ त्रिपाठी, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
6. तुलसी - सं. उदयभानु सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
7. तुलसी-साहित्य का आधुनिक संदर्भ - डॉ. हरीशकुमार शर्मा, साहित्य सहकार प्रकाशन, दिल्ली।
8. रामचरित मानस और आधुनिक जीवन की समस्याएँ – डॉ. भगवानशरण भारद्वाज, लोकवाणी संस्थान, दिल्ली।

....

05/7/2021

संयुक्त कुलसचिव (शैक्षणिक एवं सम्मेलन)
राजीव गांधी विश्वविद्यालय
Jt. Registrar (Acad. & Conf.)
Rajiv Gandhi University
Rono Hills, Doimukh (A.P.)

हिंदी सामान्य (Generic) आत्मिक पाठ्यक्रम

Paper Code: HGEC

(यह पाठ्यक्रम हिंदी ऑनर्स के अतिरिक्त अन्य विषयों के ऑनर्स के विद्यार्थियों के लिए निधार्रित है।)

प्रथम सत्र

पत्र : HIN-G-114. सृजनात्मक लेखन

द्वितीय सत्र

पत्र : HIN-G- 124. पटकथा तथा संवाद लेखन

तृतीय सत्र

पत्र : HIN-G- 215. साहित्य और सिनेमा

चतुर्थ सत्र

पत्र : HIN-G-225. सोशल मीडिया और हिन्दी

05/7/2021

संयुक्त कुलसचिव (शैक्षणिक एवं सम्मेलन)
राजीव गांधी विश्वविद्यालय
Jt. Registrar (Acad. & Conf.)
Rajiv Gandhi University
Rono Hills, Doimukh (A.P.)

प्रथम सत्र : (HGEC)

पत्र –HIN-G-114. सृजनात्मक लेखन

व्याख्यान	: 4 प्रति सप्ताह
ट्यूटोरियल	: 2 प्रति सप्ताह
क्रेडिट	: 4 +2 = 6
पूर्णांक	: 100 अंक
अभ्यन्तर	: 20 अंक
सत्रांत परीक्षा/बाह्य	: 80 अंक

उद्देश्य : इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से विद्यार्थियों में प्रकृति और परिवेश को समझने की दृष्टि विकसित हो सकेगी। इस पाठ के द्वारा विद्यार्थियों की प्रतिभा में निखार आएगा और उनकी कल्पनाशक्ति विकसित होगी। कला, साहित्य,विज्ञान एवं तकनीकी के क्षेत्र में मौलिक उपस्थापना करने में सक्षम हो सकेंगे। शिक्षा के क्षेत्र में नवीन आयामों का उद्घाटन कर सकेंगे । चित्रकला, मूर्ति कला, फोटोग्राफी, इन्स्टालेशन, नृत्य-गीत संगीत, कविता, कहानी, नाटक, संस्मरण एवं रिपोर्ताज रचना में समर्थ हो सकेंगे । पत्रकारिता, दूरदर्शन के समाचार और धारावाहिक के साथ ही फिल्म संवाद लेखन की कला में पारंगत हो सकेंगे।

इकाई -1 : सृजनात्मक लेखन: अवधारणा, स्वरूप एवं सिद्धांत

भाव एवं विचार की रचना में रूपांतरण की प्रक्रिया:विविध अभिव्यक्ति-क्षेत्रः साहित्य, पत्रकारिता, विज्ञापन, विविध गद्य अभिव्यक्तियाँ; जनभाषण और लोकप्रिय संस्कृति । व्याख्यान – 12

इकाई - 2 : (क) सृजनात्मक लेखनः भाषा-संदर्भ

अर्थ निर्मित के आधारः शब्दार्थ-मीमांसा, शब्द के प्राक्-प्रयोग , नव्य-प्रयोग, शब्द की व्याकरणिक कोटि; भाषा की भंगिमाए, भाषिक संदर्भः क्षेत्रीय, वर्ग-सापेक्ष, समूह-सापेक्ष ।

(ख) सृजनात्मक लेखनः रचना-कौशल विश्लेषण

रचना-सौष्ठवः शब्द-शक्ति , प्रतीक, बिम्ब, अलंकरण और वक्रताएँ। व्याख्यान – 12

इकाई - 3: विविध विधाओं की आधारभूत संरचनाओं का व्यावहारिक अध्ययन

(क) कविताः संवेदना, काव्यरूप, भाषा-सौष्ठव, छंद, लय, गति और तुक
(ख) कथासाहित्यः वस्तु, पात्र, परिवेश एवं विमर्श
(ग) नाट्यसाहित्यः वस्तु, पात्र, परिवेश वं रंगकर्म
(घ) विविध गद्य-विधाएँ: निबंध, संस्मरण, व्यंग्य आदि
(ङ) बालसाहित्य की आधारभूत संरचना व्याख्यान – 12

05/7/2021
संयुक्त कुलसचिव (शैक्षणिक एवं सम्मेलन)
राजीव गांधी विश्वविद्यालय
Jt. Registrar (Acad. & Conf.)
Rajiv Gandhi University
Rono Hills, Doimukh (A.P.)

इकाई -4 : सूचना-तंत्र के लिए लेखन

प्रिंट माध्यमः फीचर-लेखन, यात्रा-वृत्तांत, साक्षात्कार, पुस्तक-समीक्षा आदि।

इलेक्ट्रॉनिक माध्यमः रेडियो, दूरदर्शन, फिल्म पटकथा लेखन, टेलीविजन पटकथा लेखन। व्याख्यान – 12

उपलब्धियां - इस पत्र द्वारा विद्यार्थियों के आनुभाविक संवेदन एवं उनकी कल्पनाशक्ति विस्तीर्ण हुई। वे कला-शिल्प के बहुआयामी स्वरूप से परिचित हुए तथा इन क्षेत्रों से जुड़े शाब्दिक प्रत्ययों एवं भाषिक अवयवों को भली-भाँति जानने का मौका मिला। हिन्दी भाषा की शब्द-शक्ति, शब्दार्थ-सम्बन्ध, भाषिक अलंकरण आदि को जानने का अवसर मिला तथा वे साहित्य की विविध विधाओं के व्यावहारिक अध्ययन की प्रवृत्ति स्वयं में विकसित कर सके। साथ ही आज के सूचना-तंत्र को समेकित करती विभिन्न संचार-प्रणाली में भाषा-अनुप्रयोग के बहुविध विधानों को जानने-समझने का सुअवसर मिला।

निर्देशः

1. इस पत्र की प्रत्येक इकाई से 15-15 अंकों का एक-एक दीर्घउत्तरीय प्रश्न पूछा जायेगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए विकल्प भी होंगे। 15x4= 60
2. प्रत्येक इकाई से एक-एक टिप्पणी पूछी जायेगी, जिनके विकल्प भी होंगे। 5x4= 20

कार्य-सम्पादन- पद्धति : व्याख्यान, विचार-विमर्श, समूह-चर्चा, सामग्री-समीक्षा और प्रस्तुतीकरण आदि।

सहायक ग्रंथ-

1. रचनात्मक लेखन : सं. रमेश गौतम
2. रचनात्मक लेखन : हरीश अरोड़ा, अनिल कुमार सिंह
3. सृजनात्मक लेखन : राजेंद्र मिश्र
4. संचार भाषा हिंदी : सूर्यप्रसाद दीक्षित

05/7/2021

संयुक्त कुलसचिव (शैक्षणिक एवं सम्मेलन)
राजीव गांधी विश्वविद्यालय
Jt. Registrar (Acad. & Conf.)
Rajiv Gandhi University
Rono Hills, Doimukh (A.P.)

व्याख्यान	: 4 प्रति सप्ताह
ट्यूटोरियल	: 2 प्रति सप्ताह
क्रेडिट	: 4 +2 = 6
पूर्णांक	: 100 अंक
अभ्यन्तर	: 20 अंक
सत्रांत परीक्षा/बाह्य	: 80 अंक

द्वितीय सत्र (HGEC)

पत्र : HIN-G- 124. पटकथा तथा संवाद लेखन

उद्देश्य : इस पाठ के अध्ययन से विद्यार्थियों में सृजनात्मक क्षमता का विकास होगा। विद्यार्थियों में रचनात्मक प्रतिभा का स्फुरण होगा और उनकी कल्पनाशक्ति विकसित होगी। कहानी, कविता, उपन्यास के दृश्य रूपान्तरण करने की कला का ज्ञान होगा। संवाद रचना कौशल का विकास होगा। आधुनिक तकनीक के साथ पटकथा के संवादों में सामंजस्य स्थापित करने और समन्वय की कला का विकास होगा। इस पाठ से प्राप्त ज्ञान के आधार पर पटकथा लेखन के क्षेत्र में योगदान देने में समर्थ होंगे। विज्ञापन के क्षेत्र की दृष्टि से भी विद्यार्थी समर्थ हो सकेंगे।

इकाई 1: पटकथा का अर्थ और परिभाषा, पटकथा लेखन में प्रतिभा, कल्पना और अभ्यास/ परिश्रम का महत्व।

व्याख्यान – 12

इकाई 2 : कथा और पटकथा का अन्तर, संवाद का अर्थ और पटकथा से संवाद का संबंध।

व्याख्यान – 12

इकाई 3: पटकथा लेखन का स्वरूप : प्रस्थान बिंदु अर्थात प्रस्तावना, संघर्ष और समाधान। पटकथा लेखन सूत्र अर्थात प्रारंभ, मध्यभाग और अंत।

व्याख्यान – 12

इकाई 4: पटकथा और संवाद लेखन : नाट्यशास्त्र के संदर्भित अंश का अध्ययन पटकथा के फिल्मांकन की तकनीक। पटकथा-संवाद और संगीत ध्वनि का अंतर्संबंध।

व्याख्यान – 12

उपलब्धियां - इस पत्र के माध्यम से विद्यार्थी सिनेमा लेखन में पटकथा एवं संवाद लेखन के बारे में भली-भाँति परिचित हुए। पटकथा लेखन से जुड़े तकनीकी ज्ञान के अतिरिक्ति विद्यार्थी पटकथा लेखन में संवाद-अदायगी के कौशल तथा अभिनय-क्षमता से रू-ब-रू हो सके। पटकथा एवं संवाद-लेखन के रंगमंचीयता से सम्बन्ध के अलावे विद्यार्थियों को किसी पटकथा के आरंभ, मध्य एवं अंत से जुड़ी जरूरी पक्षों एवं पहलुओं को जानने का सुअवसर मिला। इस पत्र द्वारा उन्हें हिन्दी भाषा के साहित्यिक उपादानों तथा उनके पटकथा एवं संवाद-लेखन से अन्तर्सम्बन्धों की भी वास्तविक जानकारी एवं ज्ञान मिल सका है।

05/7/2021

संयुक्त कुलसचिव (शैक्षणिक एवं सम्मेलन)
राजीव गांधी विश्वविद्यालय
Jt. Registrar (Acad. & Conf.)
Rajiv Gandhi University
Rono Hills, Doimukh (A.P.)

निर्देश:

1. इस पत्र की प्रत्येक इकाई से 15-15 अंकों का एक-एक दीर्घउत्तरीय प्रश्न पूछा जायेगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए विकल्प भी होंगे। 15x4= 60
2. प्रत्येक इकाई से एक-एक टिप्पणी पूछी जायेगी, जिनके विकल्प भी होंगे। 5x4= 20

कार्य-सम्पादन- पद्धति : व्याख्यान, विचार-विमर्श, समूह-चर्चा, सामग्री-समीक्षा और प्रस्तुतीकरण आदि।

सहायक ग्रंथ-

1. पटकथा लेखन : मनोहर श्याम जोशी,
2. पटकथा कैसे लिखें : राजेद्र पाण्डेय
3. कथा पटकथा : मन्नू भंडारी
4. पटकथा लेखन : असगर वजाहत
5. पटकथा लेखन : रामशरण जोशी

05/7/2021

संयुक्त कुलसचिव (शैक्षणिक एवं सम्मेलन)
राजीव गांधी विश्वविद्यालय
Jt. Registrar (Acad. & Conf.)
Rajiv Gandhi University
Rono Hills, Doimukh (A.P.)

व्याख्यान	: 4 प्रति सप्ताह
ट्यूटोरियल	: 2 प्रति सप्ताह
क्रेडिट	: 4 +2 = 6
पूर्णांक	: 100 अंक
अभ्यन्तर	: 20 अंक
सत्रांत परीक्षा/बाह्य	: 80 अंक

तृतीय सत्र (HGEC)

पत्र : HIN-G-215. साहित्य और सिनेमा

उद्देश्य : इस पाठ में साहित्य और सिनेमा के अंतर्संबंध को समझा जा सकेगा। हिंदी सिनेमा के इतिहास से विद्यार्थी परिचित होंगे। हिंदी सिनेमा के विकास में हिंदी साहित्य के योगदान को रेखांकित किया जाएगा। विद्यार्थी सिनेमा की कला और हिंदी साहित्य में निहित कलात्मक तत्वों की पहचान कर सकेंगे। पटकथा लेखन और फिल्म निर्माण की कला के बारे में जान सकेंगे। विद्यार्थी अपने अर्जित ज्ञान का उपयोग निर्माता, लेखक और अभिनेता बनने में कर सकेंगे।

इकाई – 1 : साहित्य का अर्थ : क्षेत्र विस्तार

साहित्य की विधाएँ : कहानी, उपन्यास और नाटक, निबंध, आत्मकथा, संस्मरण, यात्रा वृतांत, जीवनी आदि , साहित्य के उपकरण : शिल्प और संवेदना। व्याख्यान – 12

इकाई – 2 : हिंदी सिनेमा का इतिहास, हिंदी सिनेमा में प्रमुख पौराणिक, ऐतिहासिक, साहित्यिक कृतियों का उपयोग। व्याख्यान – 12

इकाई - 3 : प्रमुख हिंदी साहित्यकारों की कृतियाँ और उन पर बनी फिल्मों की समीक्षा। व्याख्यान – 12

इकाई - 4 : हिंदी की साहित्यिक कृतियों के उपयोग का सिनेमा पर प्रभाव , साहित्य और सिनेमा में समानता एवं अंतर। व्याख्यान – 12

उपलब्धियां - इस पत्र के माध्यम से विद्यार्थी समसामयिक दुनिया में सोशल मीडिया की उपस्थिति तथा उसकी बढ़ती भूमिका से परिचित हुए। सोशल मीडिया के प्रयोग और उसमें सहभागिता को लेकर जिस सजगता एवं सावधानी की जरूरत है, उसकी उन्हें बहुविध जानकारी प्राप्त हुई। सोशल मीडिया की सामाजिक एवं शैक्षिक भूमिका के मद्देनजर इसके वैधानिक उपयोगिता एवं अनुप्रयोग को समझ सके। सूचना-तंत्र एवं तकनीकी-नियमों से सम्बन्धित कानूनों की जानकारी मिलने के अलावे विद्यार्थी इस नए माध्यम की सीमाओं और इसके लाभ-हानि सम्बन्धी विवेचन-विश्लेषण से भी अवगत हुए।

05/7/2021

संयुक्त कुलसचिव (शैक्षणिक एवं सम्मेलन)
राजीव गांधी विश्वविद्यालय
Jt. Registrar (Acad. & Conf.)
Rajiv Gandhi University
Rono Hills, Doimukh (A.P.)

निर्देश:

1. इस पत्र की प्रत्येक इकाई से 15-15 अंकों का एक-एक दीर्घउत्तरीय प्रश्न पूछा जायेगा। प्रत्येक प्रश्न का विकल्प भी रहेगा। 15x4= 60
2. प्रत्येक इकाई से एक-एक टिप्पणी पूछी जायेगी, जिनके विकल्प भी होंगे। 5x4= 20

कार्य-सम्पादन- पद्धति : व्याख्यान, विचार-विमर्श, समूह-चर्चा, सामग्री-समीक्षा और प्रस्तुतीकरण आदि।

सहायक ग्रंथ-

1. उत्तर आधुनिक मीडिया तकनीक : हर्षदेव

2. जनमाध्यम : पीटर गोल्डिंग

3. जनमाध्यम सैद्धांतिकी : जगदीश्वर चतुर्वेदी

4. सिनेमा और साहित्य : हरीश कुमार

5. 'वसुधा' पत्रिका : फिल्म विशेषांक

6. सिनेमा और संस्कृति : राही मासूम रज़ा

05/7/2021

संयुक्त कुलसचिव (शैक्षणिक एवं सम्मेलन)
राजीव गांधी विश्वविद्यालय
Jt. Registrar (Acad. & Conf.)
Rajiv Gandhi University
Rono Hills, Doimukh (A.P.)

व्याख्यान	: 4 प्रति सप्ताह
ट्यूटोरियल	: 2 प्रति सप्ताह
क्रेडिट	: 4 +2 = 6
पूर्णांक	: 100 अंक
अभ्यन्तर	: 20 अंक
सत्रांत परीक्षा/बाह्य	: 80 अंक

चतुर्थ सत्र HGEC

पत्र : HIN-G-225. सोशल मीडिया और हिंदी

उद्देश्य : विद्यार्थी सोशल मीडिया के विभिन्न माध्यमों से परिचित हो सकेंगे। सोशल मीडिया के उपयोग क्षेत्र से परिचित हो सकेंगे। सोशल मीडिया के व्यावसायिक उपयोग को समझ सकेंगे। विद्यार्थी सांस्कृतिक कर्म की दृष्टि से सोशल मीडिया का उपयोग करना सीख सकेंगे। सोशल मीडिया का शैक्षिक क्षेत्र में उपयोग करना सीख सकेंगे । सोशल मीडिया के दुष्प्रभावों से बचने की दृष्टि विकसित हो सकेगी।

इकाई- 1:

सोशल मीडिया : अवधारणा , सोशल मीडिया का स्वरूप और प्रकार , सोशल मीडिया का विकास , सोशल मीडिया – भाषा, समाज और संस्कृति । व्याख्यान – 12

इकाई- 2:

सोशल मीडिया के प्रकार : ट्विटर, व्हाट्सएप, फेसबुक, इंस्टाग्राम आदि । व्याख्यान – 12

इकाई – 3 :

सोशल मीडिया का प्रभाव : सामाजिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक, शैक्षिक आदि। व्याख्यान – 12

इकाई- 4:

हिंदी भाषा का सोशल मीडिया में उपयोग : भाषा के स्तर का अध्ययन, सोशल मीडिया की विशेषताएँ एवं दुष्प्रभाव । व्याख्यान – 12

उपलब्धियां - इस पत्र के माध्यम से विद्यार्थियों को साहित्य की विभिन्न विधाओं के साथ उनकी रचनात्मक प्रस्तुति तथा रंगमंचीय अभिनय आधारित कला-रूपों को गहराई से जानने-समझने में मदद मिली। विशेषकर सिनेमा माध्यम के इतिहास के साथ उनमें हिन्दी साहित्य की उपस्थिति से परिचित हुए। हिन्दी साहित्य पर आधारित फिल्मों के माध्यम से सिनेमा माध्यम की अनुषंगी बारीकियों एवं पटकथा लेखन से जुड़ी व्यावहारिक कुशलता को निकट से जानने-समझने का मौका मिला।

05/7/2021

संयुक्त कुलसचिव (शैक्षणिक एवं सम्मेलन)
राजीव गांधी विश्वविद्यालय
Jt. Registrar (Acad. & Conf.)
Rajiv Gandhi University
Rono Hills, Doimukh (A.P.)

निर्देश:

1. इस पत्र की प्रत्येक इकाई से 15-15 अंकों का एक-एक दीर्घउत्तरीय प्रश्न पूछा जायेगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए विकल्प भी होंगे। 15x4= 60
2. प्रत्येक इकाई से एक-एक टिप्पणी पूछी जायेगी, जिनके विकल्प भी होंगे। 5x4= 20

कार्य-सम्पादन- पद्धति : व्याख्यान, विचार-विमर्श, समूह-चर्चा, सामग्री-समीक्षा और प्रस्तुतीकरण आदि।

सहायक ग्रंथ :

1. मीडिया समग्र खंड : जगदीश्वर चतुर्वेदी
2. मीडिया के सामाजिक सरोकार : कालूराम परिहार
3. सूचना समाज : अर्माण्ड मैलाड
4. सोशल मीडिया : योगेश पटेल
5. हिंदी का संपूर्ण समाचार पत्र कैसा हो : वेदप्रताप वैदिक
6. मीडिया: भूमण्डलीकरण और समाज : सं. संजय द्विवेदी

05/7/2021
संयुक्त कुलसचिव (शैक्षणिक एवं सम्मेलन)
राजीव गांधी विश्वविद्यालय
Jt. Registrar (Acad. & Conf.)
Rajiv Gandhi University
Rono Hills, Doimukh (A.P.)